सांध्य दैनिक
RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 17 अंक - 221 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, सोमवार 25 मई 2026 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

सिम्प्लेक्स कास्टिंग की डायरेक्टर संगीता शाह को हाईकोर्ट से राहत

भिलाई। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने सिम्प्लेक्स कास्टिंग लिमिटेड की डायरेक्टर संगीता केतन शाह और उनके पति केतन मूलचंद शाह को बड़ी राहत दी है। कोर्ट ने दोनों के खिलाफचल रही आपराधिक कार्रवाई पर अगली सुनवाई तक अंतरिम रोक लगा दी है। मामले की अगली सुनवाई 15 जून से शुरू होने वाले सप्ताह में होगी। हाईकोर्ट ने दोनों को अग्रिम जमानत भी दे दी है। हाईकोर्ट ने रिकॉर्ड पर मौजूद दस्तावेजों और बैंक स्टेटमेंट को देखने के बाद माना कि शिकायतकर्ता के खाते में 10 लाख रुपए वापस भेजे जा चुके थे। कोर्ट ने यह भी कहा कि इस तथ्य का जिक्र शिकायत और सिविल सूट में नहीं किया गया था। इसी आधार पर हाईकोर्ट ने दुर्ग कोर्ट में चल रही आगे की कार्यवाही पर फिलहाल रोक लगा दी है।

निजी वाहनों पर 'पुलिस' लिखने वालों पर होगी कार्रवाई

दुर्ग। जिले में अब उन निजी वाहनों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी, जिन पर अवैध रूप से 'पुलिस' लिखा हुआ है। यातायात विभाग ने इस संबंध में आदेश जारी कर टाइगर मोबाइल, हाईवे पेट्रोलिंग और ड्यूटी प्वाइंट पर तैनात सभी पुलिस अधिकारियों-कर्मचारियों को ऐसे वाहनों की लगातार जांच करने के निर्देश दिए हैं। नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। यह आदेश उप पुलिस अधीक्षक यातायात, दुर्ग कार्यालय की ओर से जारी किया गया है। आदेश में कहा गया है कि कई लोग अपनी निजी गाड़ियों के आगे-पीछे या अंदर 'पुलिस' लिखी प्लेट लगाकर घूमते हैं। इससे आम लोगों में गलत संदेश जाता है और कई बार इसका दुरुपयोग भी किया जाता है। ऐसे मामलों को अपराध की श्रेणी में माना गया है।

रोजगार मेला कल, 72 पदों पर होगी भर्ती

जीपीएम। छत्तीसगढ़ शासन के कौशल विकास, तकनीकी शिक्षा एवं रोजगार विभाग के निर्देशानुसार जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केंद्र, गौरेला-पेंड्रा-मरवाही द्वारा 26 मई मंगलवार को रोजगार मेले का आयोजन किया जाएगा। यह प्लेसमेंट कैंप जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केंद्र के कार्यालय परिसर में सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक आयोजित होगा। रोजगार मेले में निजी क्षेत्र की कंपनियों द्वारा विभिन्न पदों पर भर्ती की जाएगी। सेफ इंटेलिजेंट सिक्योरिटी सर्विस, भिलाई-दुर्ग द्वारा सिक्योरिटी गार्ड के 30 पद, सिक्योरिटी सुपरवाइजर के 15 पद, लेबर के 15 पद, फील्ड ऑफिसर के 6 पद तथा ट्रेनिंग ऑफिसर के 3 पदों पर भर्ती की जाएगी। इसी प्रकार श्रीराम प्रिंटिंग प्रेस, गौरेला द्वारा टैली अकाउंटिंग, ऑफसेट ऑपरेटर एवं प्रिंटिंग ऑपरेटर के एक-एक पद के लिए भर्ती की जाएगी। कुल मिलाकर रोजगार मेले के माध्यम से 72 पदों पर भर्ती प्रक्रिया संपन्न की जाएगी।

साय केबिनेट की बैठक कल

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में राज्य मंत्रिपरिषद् (केबिनेट) की बैठक मंगलवार 26 मई को शाम 6.00 बजे नवा रायपुर अटल नगर स्थित मंत्रालय (महानदी भवन) में होगी।

हौसले की उड़ान : 75 प्रतिशत श्रवण बाधित पूजा ने झुग्गी से निकलकर नेट परीक्षा में रचा इतिहास

समाज कल्याण विभाग ने बढ़ाया मदद का हाथ

श्रीकंचनपथ न्यूज

जीपीएम। गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही की 75 प्रतिशत श्रवण बाधित दिव्यांग युवती पूजा साहू ने अत्यंत कठिन आर्थिक परिस्थितियों के बीच समाजशास्त्र विषय में राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा उत्तीर्ण कर न केवल अपने परिवार, बल्कि पूरे क्षेत्र का मान बढ़ाया है। पूजा साहू अपने आगे पीएचडी शोध कार्य के लिए आर्थिक सहायता की गुहार लेकर जिला समाज कल्याण विभाग के कार्यालय पहुंची। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को बताया कि उन्होंने समाजशास्त्र में स्नातकोत्तर करने के बाद राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (नेट) परीक्षा उत्तीर्ण कर ली है। उनकी योग्यता को देखते हुए विभाग ने बिना किसी विलंब के रोजगार के लिए तत्काल 10 हजार रूपए मासिक मानदेय की व्यवस्था की।

पेण्ड्रारोड स्थित स्मृति वाटिका के पास एक छोटी सी झुग्गी-झोपड़ी में रहने वाली पूजा साहू ने यह सिद्ध कर दिया है कि यदि दृढ़ संकल्प और आत्मविश्वास अडिग हो, तो शारीरिक और आर्थिक अक्षमताएं भी रास्ता नहीं रोक सकतीं। जब समाज कल्याण विभाग के प्रभारी सहायक संचालक सुरेश भारती ने स्वयं पूजा के निवास पहुंचे तो पता चला पूजा के पिता नहीं हैं। उनकी वृद्ध माता मजदूरी करके किसी तरह परिवार का भरण-पोषण कर रही हैं।

मिलेंगे 10 हजार मासिक

समाज कल्याण विभाग ने उन्हें तत्काल एक अशासकीय समाजसेवी संस्था प्रगति सेवा संस्था में सामाजिक कार्यकर्ता के पद पर नियुक्ति दिलाई। इसके लिए उन्हें 10 हजार रुपए प्रति माह का मानदेय प्राप्त होगा। इसके साथ ही, उनके पीएचडी के लिए विशेष सहायता राशि स्वीकृत कराने के संबंध में पत्राचार की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है।

चौथी बार बढ़े पेट्रोल-डीजल के दाम : पेट्रोल 2.61 और डीजल 2.71 रु प्रति लीटर महंगा

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। देशभर में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में एक बार फिर बढ़ोतरी कर दी गई है। सोमवार को तेल कंपनियों ने पेट्रोल के दाम में 2.61 रुपये प्रति लीटर और डीजल में 2.71 रुपये प्रति लीटर तक की बढ़ोतरी की। पिछले दो सप्ताह के भीतर चौथी बार बढ़ोत्तरी की गई है। इसके साथ ही राजधानी रायपुर, दुर्ग भिलाई, बिलासपुर सहित प्रमुख शहरों में पेट्रोल डीजल के नए दर लागू हो गए हैं। रायपुर में पेट्रोल की कीमत 108.06 प्रति लीटर है। एक दिन पहले 105.36 रुपए प्रति लीटर थी। वहीं रायपुर में डीज़ल की कीमत 101.32 प्रति लीटर हो गई है। एक दिन पहले 98.47 रुपए प्रति लीटर कीमत रही।

विशेषज्ञों के मुताबिक अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में तेजी, कमजोर होता रुपया और आयात लागत बढ़ने की वजह से तेल कंपनियों पर दबाव बढ़ा है। इसके अलावा रिफाइनिंग मार्जिन में बदलाव का असर भी ईंधन की कीमतों पर पड़ रहा है। लंबे समय तक कीमतें स्थिर रखने के बाद अब सरकारी तेल कंपनियां धीरे-धीरे बढ़ी हुई लागत का बोझ उपभोक्ताओं पर डाल रही हैं। यही वजह है कि 10 दिनों के भीतर पेट्रोल और डीजल करीब 5 रुपये प्रति लीटर तक महंगे हो चुके हैं।

दुर्ग-भिलाई सहित प्रमुख शहरों में इतनी है कीमत

दुर्ग भिलाई में पेट्रोल की कीमत 108.40 प्रति लीटर हो गई है। वहीं डीज़ल की कीमत 101.65 प्रति लीटर हो गई है। इसी प्रकार बिलासपुर पेट्रोल की कीमत 108.71 प्रति लीटर व डीज़ल की कीमत 101.97 प्रति लीटर, जशपुर में पेट्रोल की कीमत 109.07 प्रति लीटर व डीज़ल की कीमत 102.32 प्रति लीटर, बस्तर में पेट्रोल की कीमत 109.74 प्रति लीटर व डीज़ल की कीमत 103.01 प्रति लीटर, राजनांदगांव में पेट्रोल की कीमत 108.67 प्रति लीटर व डीज़ल की कीमत 101.92 प्रति लीटर तथा रायगढ़ में पेट्रोल की कीमत 108.63 प्रति लीटर व डीज़ल की कीमत 101.89 प्रति लीटर हो गई है। इससे पहले 15 मई को 3-3 रुपए, 19 मई को 90-90 पैसे और 23 मई को भी 87 पैसे प्रति लीटर रेट बढ़ाए गए थे। कीमतें बढ़ने के बाद प्रदेश के 9 जिलों में कीमतें 109 रुपए के पार चली गई हैं।

छत्तीसगढ़ में बढ़ी ईवी की डिमांड

पेट्रोल-डीजल की बढ़ती कीमतों और कम रनिंग कॉस्ट की वजह से लोग अब इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर और कारों की ओर तेजी से शिफ्ट हो रहे हैं। इसका असर शोरूम में बढ़ती पूछताछ और लंबी वेटिंग के रूप में दिखाई दे रहा है। डीलर्स का कहना है कि लोग अब पेट्रोल खर्च से बचने और कम मेंटेनेंस के कारण ईवी को बेहतर विकल्प मान रहे हैं। खासकर ऑफिस जाने वाले युवा और मिडिल क्लास फैमिली इलेक्ट्रिक स्कूटर और कॉम्पैक्ट ईवी कारों में ज्यादा रुचि दिखा रहे हैं। शहर में भी प्रत्येक 10 में से 5 घरों में ईवी ने भी अपनी जगह बना ली हैं।

दूसरी महिला से अफेयर के शक में पत्नी ने पति का काट दिया प्राइवेट पार्ट

देर रात अचानक हंसिए से हमला कर अलग कर दिया अंग, गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। में पत्नी ने दूसरी महिला से अफेयर के शक में हंसिए से पति का प्राइवेट पार्ट काट डाला। गंभीर रूप से घायल पति को इलाज के लिए सिम्स अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं पुलिस ने आरोपी पत्नी के खिलाफकेस दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है। घटना चकरभाठा थाना क्षेत्र की है। जानकारी के मुताबिक, दोनों अक्सर झगड़ते थे। शुक्रवार रात पति शराब के नशे में घर पहुंचा और खाना खाकर सो गया, तभी पत्नी ने हंसिए से हमला किया। घटना के बाद परिवार वाले घायल पति और उसके कटे अंग को लेकर अस्पताल पहुंचे, जहां उसका इलाज जारी है।

चकरभाठा बस्ती में रहने वाला राजेश कौशिक राजमिस्त्री का काम करता है। उसका पत्नी द्रौपती बाई के साथ आए दिन विवाद होता था। पत्नी को पिछले लंबे समय से शक था कि पति का किसी दूसरी महिला के साथ अफेयर है। इसी बात को लेकर शुक्रवार (22 मई) को भी दंपती के बीच विवाद हुआ। पति शराब के नशे में था और खाना खाने के बाद वह सो गया। देर रात करीब 1 बजे पति-पत्नी के बीच फिर से विवाद शुरू हो गया। देखते ही देखते विवाद इतना बढ़ गया कि गुस्से में आकर पत्नी ने हंसिया अपने पति का प्राइवेट पार्ट काट दिया। खून से लथपथ राजेश चीखते-चिल्लाते हुए कमरे से बाहर निकला। घटना के बाद रिश्तेदार घायल राजमिस्त्री और उसके कटे हुए अंग को लेकर सिम्स अस्पताल पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उसका इलाज शुरू किया। उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है है। वहीं पुलिस ने आरोपी पत्नी को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। शुरुआती जांच में पारिवारिक विवाद और दूसरी महिला से अफेयर के शक को घटना की मुख्य वजह माना जा रहा है।

दिलजीत दोसांझ के घर को उड़ाने की धमकी अधिकारियों के सरकारी ईमेल पर मैसेज

लुधियाना। विदेशों में बैठे अलगाववादी संगठनों की ओर से पंजाब का माहौल खराब करने की कोशिशों के बीच सोमवार को लुधियाना में धमकी भरे ईमेल ने प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियों की चिंता बढ़ा दी।

नगर निगम के वरिष्ठ अधिकारियों को भेजे गए एक ईमेल में मेयर हाउस, कार्यालय और पंजाबी गायक दिलजीत दोसांझ के लुधियाना स्थित घर को बम से उड़ाने की धमकी दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस, सुरक्षा एजेंसियां और साइबर सेल तुरंत सक्रिय हो गईं और पूरे शहर में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई।

जानकारी के अनुसार सोमवार सुबह नगर निगम कमिश्नर समेत अन्य सरकारी ईमेल आईडी पर यह संदेश प्राप्त हुआ। ईमेल का विषय बंब ब्लास्ट मेयर ऑफिस लुधियाना लिखा गया था। इसमें कथित तौर पर धमाके का समय भी निर्धारित किया गया था। संदेश में दोपहर 1:11 बजे लुधियाना मेयर पर हमला करने और रात 9:11 बजे पंजाबी गायक दिलजीत दोसांझ के घर पर विस्फोट करने की चेतावनी दी गई।

बारनवापारा अभ्यारण्य में दंतैल हाथी के हमले में ग्रामीण की मौत

वन विभाग का अलर्ट, ग्रामीणों को सचेत रहने के निर्देश

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। बारनवापारा अभयारण्य क्षेत्र में एक दंतैल हाथी के हमले की घटना में एक ग्रामीण की मृत्यु हो गई।घटना की जानकारी मिलते ही वन विभाग की टीम द्वारा तत्काल मौके पर पहुंचकर आवश्यक कार्रवाई की गई। मृतक के परिजनों को वन विभाग द्वारा तात्कालिक सहायता राशि 25,000 रुपए प्रदान की गई है तथा शासन के नियमानुसार आगे की क्षतिपूर्ति राशि प्रदान की जाएगी।

वन विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार 24 मई की रात बारनवापारा अभयारण्य अंतर्गत ग्राम दोंद में ग्राम के ही जहरु राम नेताम की एक दंतैल हाथी के हमले की हमले में मृत्यु हो गई। दंतैल हाथी पिछले कुछ दिनों से मुरुमडीह क्षेत्र के आसपास लगातार विचरण कर रहा था तथा खेत-खलिहानों की ओर उसकी आवाजाही देखी जा रही थी। रविवार को हाथी ग्राम दोंद क्षेत्र की ओर पहुंचा, जिसके बाद वन विभाग की टीम, हाथी मित्र दल एवं स्थानीय ग्रामीणों द्वारा सतर्कता एवं समन्वय के साथ प्रयास करते हुए हाथी को आबादी वाले क्षेत्र से ट्रैक किया गया जिसके पश्चात् वह जंगल की ओर चला गया। घटना के बाद हाथी खलिहानों के रास्ते पहाड़ी क्षेत्र की ओर बढ़ गया, जिसकी वन विभाग द्वारा लगातार निगरानी की जा रही है। हाथी की संभावित आवाजाही को देखते हुए वन विभाग द्वारा ग्राम मुड़पार, दोंद, सुरबाय, पांडादाह, गुढ़ागढ़, भिभौरी, बफरा, बार, हरदी सहित आसपास के सीमावर्ती गांवों में हाई अलर्ट जारी किया गया है। वन विभाग एवं हाथी मित्र दल द्वारा ग्रामीणों को सतत निगरानी, मुनादी एवं अलर्ट सिस्टम के माध्यम से हाथी की गतिविधियों की जानकारी लगातार दी जा रही है।

वनमण्डलाधिकारी बलौदाबाजार धम्मशील गणवीर ने कहा कि वन विभाग एवं हाथी मित्र दल द्वारा हाथियों की गतिविधियों की जानकारी मुनादी एवं अलर्ट सिस्टम के माध्यम से लगातार ग्रामीणों तक पहुंचाई जा रही है। उन्होंने ग्रामीणों से अपील की कि सभी लोग सतर्क रहें, वन विभाग के दिशा-निर्देशों का पालन करें हाथी दिखाई देने पर उसे किसी भी प्रकार से उकसाने या उसके पास जाने का प्रयास न करें।

सुकमा में नक्सलियों के चार डंप बरामदः हथियार-विस्फोटक मिले

श्रीकंचनपथ न्यूज

सुकमा। जिले में सुरक्षा बलों ने अलग-अलग थाना क्षेत्रों में संयुक्त सर्चिंग अभियान चलाकर नक्सलियों द्वारा जंगल और पहाड़ी क्षेत्रों में छिपाकर रखे गए भारी मात्रा में हथियार, विस्फोटक, वायरलेस उपकरण और अन्य नक्सली उपयोगी सामग्री बरामद की है। पुलिस के अनुसार नक्सलियों ने सुरक्षा बलों को नुकसान पहुंचाने की मंशा से इन सामग्रियों को विभिन्न स्थानों पर छिपाकर रखा था।

17 मई 2026 को ग्राम गादम के जंगल-पहाड़ी क्षेत्र में 42 इलेक्ट्रिक डेटोनेटर, 8 कंट्रीमेड हैंड ग्रेनेड, चार हैंड ग्रेनेड, लगभग 10 किलोग्राम जिलेटिन पाउडर से भरा स्टील कंटेनर, इलेक्ट्रिक वायर और कई खाली ड्रम शामिल हैं। 21 मई 2026 को थाना चिंतलनार ग्राम तुमालपारा में चार भरमार बंदूक, एक ग्रेनेड, 3 बीजीएल सेल, एक वायरलेस सेट, 6.6 किलोग्राम विस्फोटक सामग्री, सोलर बैटरी और मेडिकल किट सामग्री जब्त की। 23 मई 2026 को सुरक्षा बलों ने थाना चिंतलनार क्षेत्र के नागाराम जंगल में एके-47 रायफल के 29 राउंड, डेटोनेटर, चार्जर, वर्दी का कपड़ा, सेलो टेप, फेसवॉश और अन्य दैनिक उपयोगी सामान शामिल हैं। 24 मई 2026 को थाना चिंतागुफा क्षेत्रांतर्गत कैंप मेटागुड़ेम से 201 वाहिनी कोबरा और 131 वाहिनी सीआरपीएफ की संयुक्त टीम ने ग्राम ईरापल्ली के जंगल-पहाड़ी क्षेत्र में बड़ी मात्रा में तकनीकी और विस्फोटक सामग्री बरामद की। बरामद सामग्री में एक डेल लैपटॉप, मोटोरोला और आईकॉम वायरलेस सेट, यूएसबी कार्ड रीडर, फ्लैश लाइट, आयरन पाइप, 100 स्टील बॉल बेयरिंग, अनाउंसमेंट माइक, कॉपर वायर, सुतली बम, चार्जेबल बैटरी, टॉर्च, नक्सली झंडे और नक्सली साहित्य शामिल हैं।

एक्शन मोड में बंगाल सीएम : 2021 चुनाव में हुई हिंसा की कराएंगे जांच

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने रविवार को नंदीग्राम में आयोजित धन्यवाद सभा के दौरान बड़ा राजनीतिक बयान दिया है।

उन्होंने कहा कि 2021 विधानसभा चुनाव के बाद भाजपा कार्यकर्ताओं पर हुए हमलों का पूरा हिसाब लिया जाएगा और सभी मामलों में कानूनी कार्रवाई की जाएगी। हालांकि उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं को चेतावनी भी दी कि वे कानून अपने हाथ में न लें। शुभेंदु अधिकारी ने कहा कि 2021 चुनाव के बाद राज्य के कई जिलों में भाजपा कार्यकर्ताओं पर हमले हुए, घरों में तोड़??ड़ की गई और कई समर्थकों की हत्या तक कर दी गई। उन्होंने कहा कि पार्टी ने हर घटना का रिकॉर्ड रखा है और अब सभी मामलों में न्याय मिलेगा।

फलता में भाजपा की रिकॉर्ड जीत, एक लाख से ज्यादा मतों से मिली विजय

कोलकाता ए.। पश्चिम बंगाल के फलता विधानसभा में हुए दोबारा मतदान में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने बड़ी जीत दर्ज की है। पार्टी उम्मीदवार देबांग्शु पांडा को एक लाख से भी ज्यादा मतों से जीत मिली है। यहां टीएमसी प्रत्याशी जहांगीर खान चौथे नंबर पर रहे।

पश्चिम बंगाल की फलता विधानसभा सीट पर हुए दोबारा मतदान के बाद रविवार को मतों की गिनती हुई। निर्वाचन आयोग के आधिकारिक आंकड़े के मुताबिक भाजपा प्रत्याशी देबांग्शु पांडा को 1,49,666 वोट मिले हैं। जीत का अंतर 1.09 लाख वोट से अधिक रहा है। दूसरे नंबर पर रहे

सीपीएम प्रत्याशी शंभू नाथ कुर्मी को 40,645 वोट मिले। तीसरे नंबर पर रहे कांग्रेस प्रत्याशी अब्दुर रज्जाक मोल्ला को 10,084 वोट मिले। चौथे नंबर पर खिसकी पार्टी- तृणमूल कांग्रेस के प्रत्याशी जहांगीर खान को केवल 7783 वोट से संतोष करना पड़ा।

जीत के बाद बीजेपी उम्मीदवार देबांग्शु पांडा ने कहा कि यह सिर्फ उनकी नहीं बल्कि फलता की जनता की जीत है। उन्होंने कहा कि चुनाव के दौरान कुछ जगहों पर डर और चुनौतियां थीं, लेकिन अंततः जनता ने लोकतांत्रिक तरीके से अपना फैसला सुनाया।

जनता ने भाजपा पर जताया भरोसा- पीएम मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पश्चिम बंगाल के फालता विधानसभा में हुए दोबारा चुनाव में भाजपा उम्मीदवार देबांग्शु पांडा की जीत पर खुशी जताई है। उन्होंने कहा कि फलता की जनता ने स्पष्ट संदेश दिया है कि लोकतंत्र की जीत हुई है और डर-धमकी की राजनीति को नकार दिया गया है।

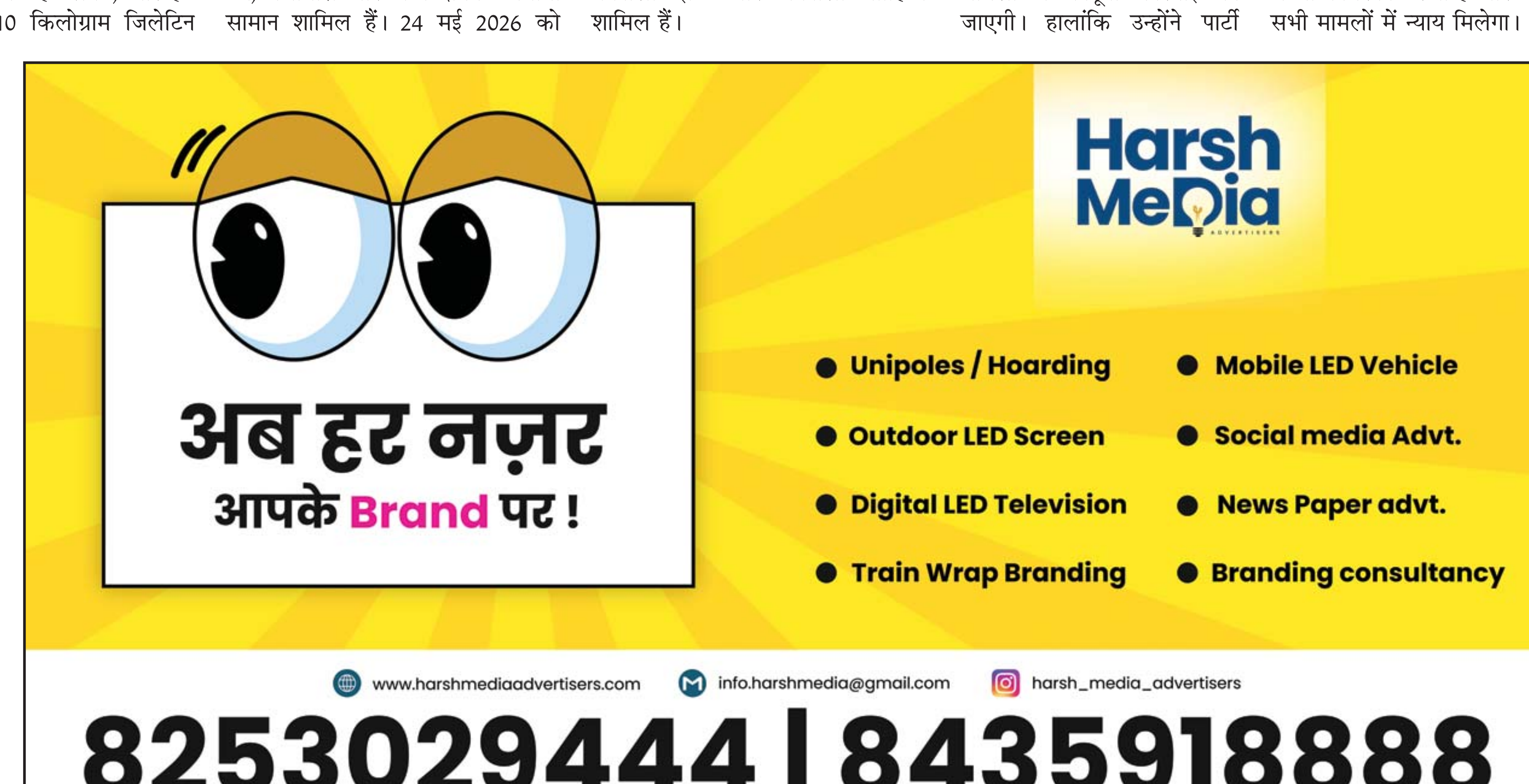

संपादकीय

रुपये की गिरावट

दीर्घकालीन नीतियों से थमेगा गिरना

यूं देश के आयात-निर्यात असंतुलन के चलते पिछले दो दशकों से रुपये के मूल्य में लगातार गिरावट देखी गई है, लेकिन हाल के कुछ महीनों में इस गिरावट में तेजी आई है। खासकर ईरान-अमेरिकी युद्ध शुरू होने के बाद इसमें छह फीसदी की चिंताजनक गिरावट आई है। जो हमारी आयात पर अत्यधिक निर्भरता को ही दर्शाता है। यद्यपि दुनिया की उभरती अर्थव्यवस्थाओं के लिए ऐसे मुद्रा संकट कोई नई बात नहीं है, लेकिन हालिया गिरावट हमारी चिंता बढ़ाने वाली है। दरअसल, यह गिरावट भू-राजनीतिक अस्थिरता, कच्चे तेल की कीमतों में अप्रत्याशित तेजी, वैश्विक आपूर्ति शृंखला में अनिश्चितता से मुद्रास्फीति और धीमी वैश्विक आर्थिक वृद्धि के बीच हो रही है। इन दबावों ने मिलकर एक ऐसा संवेदनशील वातावरण बनाया है, जिसमें रुपये की कमजोरी व्यापक आर्थिक व्यवधानों को जन्म दे रही है। वैसे तो बढ़ता आयात असंतुलन ही रुपये की गिरावट के मूल में है। सबसे बड़ा संकट तो कच्चे तेल के आयात पर निर्भरता का है, जो करीब 88 फीसदी है। इसके अलावा खाद्य तेल, उर्वरक आदि आवश्यक वस्तुओं का आयात लगातार बढ़ा है। वहीं रुपये के डॉलर के मुकाबले लगातार गिरने से ये वस्तुएं महंगी हो गई हैं। खासकर ईंधन की बढ़ती कीमतों का असर परिवहन, मालभाड़ा वृद्धि, भोजन और घरेलू खर्चों पर पड़ा है। इसके चलते रुपये के अवमूल्यन से कंपनियां तथा देश के नीति-निर्माता भी खासे चिंतित हैं। विदेशी मुद्रा में ऋण लेने वाली भारतीय कंपनियों पर ऋण चुकाने का अतिरिक्त बोझ बढ़ रहा है।

“ दरअसल, यह गिरावट भू-राजनीतिक अस्थिरता, कच्चे तेल की कीमतों में अप्रत्याशित तेजी, वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में अनिश्चितता से मुद्रास्फीति और धीमी वैश्विक आर्थिक वृद्धि के बीच हो रही है। इन दबावों ने मिलकर एक ऐसा संवेदनशील वातावरण बनाया है, जिसमें रुपये की कमजोरी व्यापक आर्थिक व्यवधानों को जन्म दे रही है। वैसे तो बढ़ता आयात असंतुलन ही रुपये की गिरावट के मूल में है। सबसे बड़ा संकट तो कच्चे तेल के आयात पर निर्भरता का है, जो करीब 88 फीसदी है। इसके अलावा खाद्य तेल, उर्वरक आदि आवश्यक वस्तुओं का आयात लगातार बढ़ा है। वहीं रुपये के डॉलर के मुकाबले लगातार गिरने से ये वस्तुएं महंगी हो गई हैं।

दरअसल, इन सभी कारणों से बढ़ते व्यापार घाटे का चालू खाते के घाटे पर अतिरिक्त दबाव पड़ा है। जिसके चलते शेयर बाजार में लगातार गिरावट का ट्रेंड देखा जा रहा है। वास्तव में विदेशी निवेशक अनिश्चितता के वातावरण में सुरक्षित अमेरिकी कंपनियों में निवेश बढ़ा रहे हैं। फलतः अर्थव्यवस्था में विदेशी निवेश में लगातार निकासी का रुझान देखा जा रहा है। जिसने हमारी आर्थिक चिंताओं को और बढ़ाया है।

हालांकि, भारतीय रिजर्व बैंक ने इस जारी अस्थिरता को कम करने के लिये विदेशी मुद्रा भंडार के माध्यम से हस्तक्षेप किया है, लेकिन ऐसे उपाय महज गिरावट की गति को कम करने के अलावा बहुत ज्यादा कुछ नहीं कर सकते हैं। वहीं दूसरी ओर, सोलहवें वित्त आयोग के अध्यक्ष अरविंद पनगढ़िया ने तर्क दिया है कि रुपये का स्वाभाविक रूप से अवमूल्यन करने से समय के साथ व्यापार असंतुलन को दुरुस्त करने में मदद मिल सकती है।

उन्होंने केंद्रीय बैंक से आग्रह किया है कि वैश्विक आपूर्ति में व्यवधान के कारण होने वाले मुद्रा के उतार-चढ़ाव से निपटने के लिये विशिष्ट विनिमय दर लक्ष्यों मसलन सौ रुपये प्रति डॉलर से आगे बढ़कर विचार करना चाहिए। हालांकि, अनियंत्रित अवमूल्यन से गंभीर जोखिम भी पैदा हो सकते हैं। देश के नीति-निर्माताओं को बाजार समायोजन की अनुमति देने और अत्यधिक अस्थिरता को रोकने के बीच सावधानी से संतुलन बनाने की जरूरत होगी। निश्चित रूप से सरकार की ओर से मुद्रास्फीति का कुशल प्रबंधन और अर्थव्यवस्था में निवेशकों का भरोसा बनाये रखना, देश की आर्थिक स्थिरता सुनिश्चित करने में मददगार साबित हो सकता है।

भारत की विकास यात्रा

सी. पी. राधाकृष्णन

जब मैं तिरुप्पुर के स्कूल में पढ़ता था, तब मेरे मन में देश को लेकर कई सपने थे। मेरे मन में अक्सर ये सवाल उठते थे- भारत अपनी महानता कब वापस पाएगा? विश्व मंच पर एक शक्तिशाली राष्ट्र के रूप में कब उभरेगा? हमारे गरीब और वंचित भाई-बहनों को सम्मानजनक जीवन कब मिलेगा? मुझे खुशी है कि किशोरावस्था में मेरे मन में जो विचार थे, वे अब साकार हो रहे हैं। मैं अक्सर खुद को स्वामी विवेकानंद के इन शब्दों की याद दिलाता था, उठो, जागो और लक्ष्य प्राप्त होने तक मत रुको। तमिलनाडु की धरती से स्वामीजी के दिए ये शब्द हर व्यक्ति में देशभक्ति और समर्पण की भावना जगाने की अपार शक्ति रखते हैं। मेरा हमेशा यह विश्वास रहा कि जब भारत अपनी पूरी क्षमता के साथ आगे बढ़ेगा, तब वह पूरी दुनिया का मार्गदर्शन करने वाला राष्ट्र बनकर उभरेगा। पिछले एक दशक में मुझे यह देखकर खुशी होती है कि हमारा देश जबरदस्त ऊर्जा और दृढ़ संकल्प के साथ आगे बढ़ रहा है। अब हमें अपनी आंखों के सामने तिरुवल्लुवर के इन शब्दों की सच्चाई देखने का अवसर मिल रहा है-जो अपने संकल्प में अडिग रहते हैं, वे ठीक वही हासिल करते हैं, जिसकी उन्होंने कल्पना की होती है। हम देख सकते हैं कि हमारा देश तेज़ी से आगे बढ़ रहा है। पिछले एक दशक में भारत ने जो प्रगति हासिल की है, उसने पूरी दुनिया का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया है। ऐसे समय में, जब पूरी दुनिया आर्थिक मंदी और अनिश्चितताओं से जूझ रही है, भारत की अर्थव्यवस्था मज़बूती और तेज़ी से आगे बढ़ रही है। इस दौर को निरंतर विकास का युग बनाने के लिए सरकार और जनता, दोनों का साझा उत्साह ही इस प्रगति का कारण है। एक समय कमजोर अर्थव्यवस्था माने जाने वाला हमारा देश आज दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है और जल्द ही तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि हमारा आर्थिक विकास समावेशी रहा है।

पिछले एक दशक में लगभग 25 करोड़ भारतवासी अत्यधिक गरीबी से बाहर निकलकर सम्मानपूर्ण जीवन जीने में सक्षम हुए हैं। अब तक भारत में गरीब और बेघर लोगों के लिए लगभग 4 करोड़ पक्के घर बनाए जा चुके हैं। 12 करोड़ से अधिक लोगों को पाइप से पीने के पानी का कनेक्शन उपलब्ध कराया गया है। हमने खुले में शौच से मुक्त राष्ट्र बनने का संकल्प लिया था और केवल 60 महीनों के भीतर देश ने 60 करोड़ लोगों के लिए यह लक्ष्य हासिल कर दिखाया।

प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना के तहत 80 करोड़ लोगों को हर वर्ष 5 किलोग्राम खाद्यान्न मुफ्त दिया जा रहा है, जिस पर 2.3 लाख करोड़ रुपये का खर्च किया जा रहा है। मैंने बचपन से ही गांवों में लोगों को इलाज की सुविधा न मिलने के कारण परेशान होते देखा है। उनके परिवारों की पीड़ा देखकर मुझे दुख होता था। आज देश इस संकल्प के साथ आयुष्मान भारत योजना चला रहा है कि स्वास्थ्य सेवाएं हर व्यक्ति तक पहुंचें। इसी का परिणाम है कि अब 44 करोड़ से अधिक लोगों को प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत योजना के तहत 5 लाख रुपये तक का स्वास्थ्य बीमा कवर मिल रहा है। केवल पिछले एक वर्ष में ही 2.5 करोड़ लोगों ने इस योजना के अंतर्गत मुफ्त इलाज प्राप्त किया है।

हमारे किसानों ने अपनी मेहनत से 35 करोड़ टन खाद्यान्न उत्पादन किया है, जिससे भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा खाद्यान्न उत्पादक देश बन गया है। भारत अब चावल उत्पादन में भी दूसरा सबसे बड़ा देश बन चुका है और अपने निर्यात के माध्यम से दुनिया से जुड़ रहा है। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के तहत अब तक 4 लाख करोड़ रुपये से अधिक की राशि सीधे किसानों के बैंक खातों में भेजी जा चुकी है। आज हमारी नारी शक्ति के लिए देश के विकास में पूरी भागीदारी के अवसर खुल रहे हैं। 3 करोड़ से अधिक महिलाएं लखपति दीदी और नमो ड्रोन दीदी बन चुकी हैं। कृषि, शिक्षा, चिकित्सा, विज्ञान एवं तकनीक से लेकर अंतरिक्ष तकनीक तक, महिलाओं ने हर क्षेत्र में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई है। अब महिलाएं सशस्त्र बलों में स्थायी कमीशन भी प्राप्त कर रही हैं और युद्धक भूमिकाओं में भी भाग ले रही हैं। नारी शक्ति वंदन अधिनियम संसद और राज्य विधानसभाओं में उनकी भागीदारी को और मजबूत करेगा। जब मैं देशभर की यात्रा के दौरान लखपति दीदियों और नमो ड्रोन दीदियों से मिलता हूं, तब मुझे अपनी बहनों के चेहरों पर उम्मीद की चमक दिखाई देती है। महिलाओं के दैनिक जीवन को आसान बनाने और उनके स्वास्थ्य की चिंता करते हुए देशभर में लगभग 2 करोड़ नए एलपीजी गैस कनेक्शन उपलब्ध कराए गए हैं।

जब हम युवा पीढ़ी को उत्साह के साथ स्टार्टअप्स की ओर आगे बढ़ते देखते हैं, तब हमें देशभक्त कवि सुब्रमण्यम भारती के ये शब्द याद आते हैं-

आओ, आओ, आओ और अपने सपनों को साकार करो,
पूरा देश एकजुट होकर आगे बढ़े और समृद्ध बने,
आओ, आओ, आओ और कोई महान कार्य करके दिखाओ।

युवाओं के लिए पिछले दस वर्षों में ही 13 नए आईआईटी स्थापित किए गए हैं, जिससे देश में आईआईटी की कुल संख्या बढ़कर 23 हो गई है। इसी तरह आईआईएम की संख्या 13 से बढ़कर 21 हो गई है। एम्स की संख्या 7 से बढ़कर 23 हो चुकी है और मेडिकल कॉलेजों की संख्या 37 से बढ़कर 823 हो गई है। यह गर्व की बात है कि मेडिकल छात्रों के लिए सीटों की संख्या 51,348 से बढ़कर 1,29,603 हो गई है। हम विश्वस्तरीय बुनियादी ढांचे की दिशा में भी तेज़ी से आगे बढ़ रहे हैं। भारतीय रेलवे का लगभग 99 प्रतिशत विद्युतीकरण हो चुका है। देशभर में 164 वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनों ने रेल यात्रा के एक नए युग की शुरुआत की है। हवाई अड्डों की संख्या भी 74 से बढ़कर 163 हो गई है और उड़ान योजना के तहत आम लोगों के लिए हवाई यात्रा सुलभ हुई है।

तमिलनाडु के लिए रेलवे बजट का आवंटन, जो एक दशक पहले लगभग 880 करोड़ था, बढ़कर 2026-27 में 7,600 करोड़ हो गया है। तमिलनाडु में यह खुशी की बात है कि रामेश्वरम और पंबन के बीच नया पंबन ब्रिज बनाया गया है, जो भारत का पहला वर्टिकल लिफ्ट ब्रिज है। यह आध्यात्मिक पर्यटन और आर्थिक विकास के लिए एक नया अवसर बनकर उभरा है। चाहे चिनाब ब्रिज हो या बोगीबील पुल, भारत अब आधुनिक बुनियादी ढांचे के नए आयाम स्थापित कर रहा है। भारत के विकास के लिए देश भर में विश्व स्तरीय चार-लेन और आठ-लेन की सड़कों के साथ-साथ सुदूर गांवों तक सड़क संपर्क को मजबूती से विकसित किया गया है। तमिलनाडु में पिछले 10 वर्षों में 4,000 किलोमीटर से अधिक राष्ट्रीय राजमार्ग बनाए गए हैं। वहीं पूर्वोत्तर राज्यों में पिछले 10 वर्षों के दौरान लगभग 7,200 किलोमीटर राष्ट्रीय राजमार्गों का निर्माण हुआ है। ये सभी विकास कार्य 'प्रगति' के तहत प्रधानमंत्री की करीबी निगरानी के कारण संभव हो पाए हैं।

प्री-मैट्रिक और पोस्ट-मैट्रिक छात्रवृत्ति योजनाओं तथा एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालयों ने क्रमशः अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के छात्रों को बहुत लाभ पहुंचाया है। मेरा हमेशा यह विश्वास रहा है कि विकास केवल सामाजिक वर्गों तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि उसमें सभी क्षेत्रों की भागीदारी भी सुनिश्चित होनी चाहिए। जो सीमावर्ती गांव कभी भारत के अंतिम गांव माने जाते थे, वे अब देश के प्रथम गांव बन चुके हैं और वाइब्रेंट विलेज स्कीम के माध्यम से उनका विकास किया जा रहा है।

मुझे खुशी के साथ याद आता है कि प्रधानमंत्री ने पूर्वोत्तर राज्यों को देश की अष्टलक्ष्मी कहा था। हाल ही में जब मैंने नागालैंड, मिजोरम, त्रिपुरा और सिक्किम का दौरा किया, तब वहां परिवहन और बुनियादी ढांचे में जबरदस्त सुधार देखने को मिला।

विज्ञान, तकनीक और नवाचार के क्षेत्र में देश ने जो प्रगति हासिल की है, वह हम सभी को गर्व से भर देती है। तकनीक से लेकर चिकित्सा तक, हर क्षेत्र में तेज़ी से विकास हो रहा है। कोविड-19 महामारी के दौरान भारत ने वैक्सीन निर्माण में अग्रणी भूमिका निभाई और स्वदेशी वैक्सीन विकसित कर बहुत कम समय में सभी को मुफ्त उपलब्ध कराई। भारत ने मानवीय संवेदना के साथ दुनिया के 100 से अधिक देशों को भी वैक्सीन उपलब्ध कराई, जिसने विश्व इतिहास में एक विशेष स्थान बनाया।

चंद्रयान-3 की सफल लॉन्चिंग ने भारत को उन्नत अंतरिक्ष अनुसंधान के नए युग में पहुंचा दिया है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के क्षेत्र में वैश्विक कंपनियां भारत को अपना केंद्र बना रही हैं, जिससे निवेश में कई गुना वृद्धि हुई है। भारत अब सेमीकंडक्टर निर्माण के क्षेत्र में दुनिया के लिए एक मॉडल बनकर उभर रहा है। मोबाइल फोन उत्पादन में भी हमने विश्व में दूसरा स्थान हासिल किया है। जो भारत कभी मोबाइल फोन आयात करता था, वही आज 300 करोड़ अमेरिकी डॉलर मूल्य के मोबाइल फोन निर्यात करने वाला देश बन चुका है। ये सभी उपलब्धियां आने वाली पीढ़ियों के समृद्ध भविष्य की मजबूत नींव बनेंगी।

कई दशकों तक हमारे देश ने केवल आतंकवाद ही नहीं, बल्कि उग्रवाद और वामपंथी चरमपंथ जैसी चुनौतियों का भी सामना किया है। साहसिक नीतिगत फैसलों और कानून के सख्त पालन के माध्यम से आज देश में शांति स्थापित हुई है और इन क्षेत्रों में विकास के द्वार खुले हैं। हमने यह लक्ष्य निर्धारित किया है कि 2047 तक, यानी स्वतंत्रता के 100 वर्ष पूरे होने तक, भारत एक अग्रणी वैश्विक शक्ति बने और दुनिया का मार्गदर्शन करने की स्थिति में पहुंचे। कठिन परिश्रम का यह दौर ही अमृत काल है।

जिस प्रकार हर स्वतंत्रता सेनानी के हृदय में आजादी की प्यास थी, उसी तरह आज के युवाओं के मन में राष्ट्र विकास का संकल्प होना चाहिए। इस अमृत काल में यदि युवाओं के विचार और प्रयास देशभक्ति, उच्च आदर्शों और श्रेष्ठ चरित्र के साथ आगे बढ़ेंगे, तब हम 2047 में एक विकसित भारत का सपना साकार होते देख सकेंगे। स्वामी विवेकानंद के ये शब्द हमें प्रेरणा देते हैं और दिशा भी दिखाते हैं- मेरे भाइयों, आइए हम सब मिलकर कड़ी मेहनत करें। यह सोने का समय नहीं है। भारत का भविष्य हमारे प्रयासों पर निर्भर करेगा।

आइए हम सब मिलकर अपनी कड़ी मेहनत से एक विकसित भारत का निर्माण करें।

(लेखक भारत के उपराष्ट्रपति हैं)

कोई न कोई हमेशा ही हमारी हिंसा की कीमत चुका रहा होता है

एन. रघुरामन

भोपाल की सबसे व्यस्त सड़क किसी भी शाम घर लौटने की हड़बड़ी से भरे यात्रियों की अराजक भीड़ से भरी रहती है। लेकिन इस शुक्रवार उसकी सामान्य रिदम टूटकर एक ठहराव में बदल गई। इसका कारण किसी निर्माण कार्य से पैदा हुई बाधा या प्राकृतिक संकट नहीं था, बल्कि मनुष्यों के बीच टाला जा सकने वाला एक टकराव था। एक मामूली दुर्घटना- जो कि एक चालक की लापरवाह ड्राइविंग का नतीजा थी- देखते ही देखते गुस्से और अहंकार से भरे विवाद में बदल गई।

दोनों चालक सड़क के बीचोंबीच खड़े थे और एक-दूसरे से ऐसे लड़ रहे थे, मानो किसी खंदक में मोर्चा संभाले सैनिक हों। वो बहस में जीतने की बेचैन इच्छा से पूरी तरह ग्रस्त हो चुके थे। गुस्से में वो अपने आसपास की वास्तविकता से पूरी तरह अनजान हो चुके थे। उन्हें इस बात तक का एहसास नहीं था कि उनकी निजी लड़ाई ने कारों की एक लंबी और सर्पिली कतार पैदा कर दी है, जो दूर तक फैली हुई थी। कारों के भीतर बैठे लोग दरअसल उनकी नासमझी के वास्तविक शिकार बन रहे थे।

उनमें शायद कोई भूखा बच्चा था, जो रात के भोजन में हो रही देरी पर रो रहा हो, या कोई गंभीर रोगी, जो डॉक्टर तक पहुंचने की कोशिश में हर बीतते मिनट के साथ अपने सीने को थामे बैठा हो। उन चालकों का क्रोध उनके लिए एक ऐसी दीवार बन गया था, जिसने उन्हें दूसरों की दुनिया को समझने से रोक दिया था। अपने अहंकार के चलते दूसरों को पहुंचाए परोक्ष नुकसान को न देख पाने की इस मानवीय प्रवृत्ति ने मुझे दुनिया के दूसरे छोर की एक हृदयविदारक कहानी की याद दिलाई। वह कहानी थी सनी की, जो मैंने हाल ही में पढ़ी थी।

फरवरी में एक रूसी ड्रोन ने यूक्रेन के जपोरिज्जिया शहर पर प्रहार किया था। मीडिया ने तुरंत व्यापक आंकड़े सामने रख दिए : ध्वस्त हुई इमारतें, दर्ज किया गया नुकसान और दुःखद रूप से समाप्त हो गई मानवीय जिंदगियां। लेकिन मलबे के बीच सनी भी पड़ा था- युद्ध के आधिकारिक आंकड़ों में पूरी तरह से उपेक्षित। एक समर्पित जीवविज्ञानी और संवेदनशील राहगीर वेरोनीका कोन्कोवा ने उस उल्लू को विध्वंस के बीच दुबका पाया। उसकी बाईं आंख की दृष्टि जा चुकी थी और एक पंख बुरी तरह टूट चुका था। उसे एक गत्ते के डिब्बे में रखकर अस्पताल पहुंचाया गया।

सनी का पंख काटना पड़ा। अब वह प्रकाश पर प्रतिक्रिया नहीं कर सकता था। घने जंगल में उड़ने के बजाय अब वह अपने बाड़े की जमीन पर अटपटे ढंग से फुदकते हुए दिन बिताता है। वह अन्य घायल और मूक शरणार्थियों के साथ एक त्रासदपूर्ण समुदाय के साथ रहता है : दुर्लभ इम्पीरियल ईगल, ब्लैक काइट्स, पेरेग्रिन फाल्कन्स, बजर्ड्स, स्क्रीच और टॉनी उल्लू।

हमारे युद्ध वन्यजीवन के स्वाभाविक व्यवहार को पूरी तरह अस्त-व्यस्त कर देते हैं। प्रवासी पक्षी सक्रिय युद्ध-क्षेत्रों के इर्द-गिर्द रास्ता खोजने की कोशिश में स्वयं को थका डालते हैं, बड़े स्तनपायी जीव विस्फोटों की भयावह गर्जना से डरकर जोखिम भरी मानव बस्तियों की ओर भटक आते हैं, और समुद्री जीवन भी पानी के भीतर होने वाले विस्फोटों से प्रभावित होता है। सबसे बड़ी त्रासदी यह है कि वेरोनीका कोन्कोवा की देखभाल में मौजूद कोई भी पक्षी अब कभी जंगल में लौट नहीं सकता। उनकी स्वाभाविक प्रवृत्तियां उनसे छीन ली गई हैं; अब वे दिन में दो बार भोजन पाने के लिए स्थायी रूप से मनुष्यों पर निर्भर हो चुके हैं। यहां तक कि जंगलों में बचे हुए जानवर भी अस्वाभाविक व्यवहार करने लगे हैं।

उनके व्यवहार में आए मनोवैज्ञानिक बदलावों को मोर्चे पर मौजूद सैनिक-जीवविज्ञानियों ने प्रत्यक्ष दर्ज किया है। प्रकृति की दुनिया न तो युद्धविराम पर बातचीत कर सकती है और न ही किसी संधि पर हस्ताक्षर; वह बस मानवीय हिंसा के भारी पदचिह्नों के नीचे चुपचाप क्षीण होती जाती है।

चाहे भोपाल में दो क्रोधित ड्राइवर किसी महत्वपूर्ण सड़क को जाम कर रहे हों, या यूरोपीय धरती पर दो राष्ट्र मिसाइलों की बौछार कर रहे हों, या फिर बंद दरवाजों के पीछे दो माता-पिता चीख रहे हों- संघर्ष की संरचना हर जगह एक जैसी रहती है। लड़ने वाले लोगों का फोकस पूरी तरह से अपने प्रतिद्वंद्वी पर रहता है, और वे इस बात से बिल्कुल अनजान रहते हैं कि बीच में फंसे निर्दोष लोग किस कीमत पर सब कुछ झेल रहे हैं। और इस पूरे दृश्य के बीच कहीं एक कांपता हुआ बच्चा, जो माता-पिता के झगड़े के समय खुद को कमरे में बंद कर लेता है; ट्रैफिक जाम में फंसा ड्राइवर, जो अपनी अत्यंत महत्वपूर्ण मेडिकल अपॉइंटमेंट तक नहीं पहुंच पा रहा है; और प्लास्टिक के फ्लोर पर फुदकता एक पंख वाला उल्लू- ये सभी वे लोग और जीव हैं, जो किसी और की हिंसा की कीमत चुका रहे हैं, जबकि उन्होंने कभी इसकी मांग नहीं की थी।

फंडा यह है कि मनुष्य की हर हिंसा में कोई तीसरा उसकी कीमत चुका रहा होता है। क्या हम लड़ाई शुरू करने से पहले उनके बारे में भी सोच सकते हैं?

हर समस्या देती है सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन का अवसर

डॉ. रेनु सैनी

सही मायने में मैदान पर डटे रहने में ही असली सुख है। विपरीत परिस्थितियां होने पर भी जो मैदान छोड़ने से इंकार कर देता है, तो फिर विपरीत परिस्थितियां ही उसके लिए प्रगति, खुशी और सुख की नींव रचती हैं।

अगर किसी से पूछा जाए कि दुनिया में क्या चल रहा है, तो असंख्य लोग बिना सोचे-समझे बोल देंगे कि 'आतंकवाद, हिंसा, युद्ध, अराजकता, उन्माद और बेरोजगारी ने जीवन मुश्किल कर दिया है।' जब असंख्य लोगों की सोच नकारात्मक पहलुओं को लेकर एक जैसी हो जाती है, तो यह चिंता का विषय बन जाती है।

धरती पर विविध प्राणी निवास करते हैं। यह वसुधा प्राणियों के लिए एक ऐसा आंचल है, जिसकी छांव तले वे अपने परिवार के साथ जीवनयापन करते हैं। मगर जब उस आंचल पर आंच आने लगे, तो निस्संदेह डरना स्वाभाविक है। ऐसे में क्या किया जाए? क्या पूरी तरह निराश होकर बैठा जाए या फिर अंध-आशावाद में दिनों को गिना जाए?

इन दोनों ही तरीकों को अपनाने से मुश्किलें बढ़ेंगी, मगर हां, इन दोनों के बीच के तरीके को अपनाकर वसुधा के आंचल को बचाया जा सकता है। वह बीच का रास्ता है 'मेलियोरिज्म'।

मेलियोरिज्म एक ऐसा विचार है, जो कहता है कि दुनिया को मानवीय प्रयासों से बेहतर बनाया जा सकता है। सरल शब्दों में कहें तो मेलियोरिज्म आशावाद और निराशावाद के बीच का मार्ग है, जिससे ही दुनिया को बेहतर बनाया जा सकता है। जब व्यक्ति 'सक्रिय सुधारवाद' की ओर बढ़ेगा, तो खुशियों की नदियों को हर ओर फैलाया जा सकता है।

हमारे बीच कई ऐसे व्यक्तित्व हैं, जिन्होंने नई सोच से 'मेलियोरिज्म' शब्द को सार्थक कर दिया और समाज में अपनी एक अनूठी पहचान बनाई। सुनील जागलान एक ऐसे ही व्यक्तित्व हैं। वे बीबीपुर गांव के सरपंच थे। वर्ष 2012 में जब उनके यहां बेटी हुई, तो अस्पताल में नर्सों

ने उनकी बेटी के जन्म पर मिठाई लेने से इनकार कर दिया। इसके बाद उन्होंने लड़कियों के अधिकारों के लिए लड़ने का निर्णय कर लिया। उन्होंने 'सेल्फी विद डॉटर' अभियान शुरू किया। उनका यह अभियान धीरे-धीरे हरियाणा के कई गांवों में फैल गया। लोगों ने महसूस किया कि सचमुच बेटियों को आगे बढ़ाने का जज़्बा उनमें भी नई उमंगें जगा देता है।

धीरे-धीरे 'सेल्फी विद डॉटर' अभियान नए-नए रूप लेकर आगे बढ़ रहा है। हरियाणा में ही एक गांव है खेड़ा गनी। इस गांव में शिक्षित लड़कियों की नेमप्लेट उनके घर-आंगन में सजने लगी है और हर घर की पहचान वहां की लड़की के नाम से होने लगी है।

'बेटी हूं बेटी बोलो' अभियान ने भी लोगों को जागरूक किया। बेटियों का भी अपना अस्तित्व होता है। ऐसे में उन्हें बेटा कहकर क्यों पुकारा जाए? उनके इन अभियानों ने लोगों की सोच को बदल दिया। अब लोगों ने अपनी लड़कियों के 'भतेरी', 'काफी', 'अंतिम' जैसे नाम भी रखने बंद कर दिए हैं। इसी तरह के छोटे प्रयास नए बदलाव की लहर लाते हैं और पुरानी कुप्रथाएं बंद हो जाती हैं।

इस विचार को हर कोई अपने जीवन में उतार सकता है। उसके लिए बस स्वयं के साथ कुछ संकल्प लेने हैं, जैसे—

निरंतर प्रगति की ओर बढ़ते रहें— आज प्रत्येक व्यक्ति 'शॉर्टकट' अपनाकर सफलता पाना चाहता है, मगर सफलता का कोई 'शॉर्टकट' नहीं होता। लगातार और रोज थोड़ा-थोड़ा प्रयास करते रहें। फिर सफलता की सीढ़ी अपने आप खड़ी होती जाती है। एक दिन व्यक्ति को विजय की सीढ़ी पर होता है।

समस्याओं को अवसर के रूप में देखें— जब व्यक्ति हर काम को समस्या मानने लग जाता है, तो वास्तव में समस्या उत्पन्न हो जाती है। समस्या अवसर का दूसरा रूप होती है। ड्यूक एलिंगटन का कहना है कि 'समस्या आपके लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने का अवसर है।' इसलिए इस अवसर को सहजता, धैर्य और विश्वास के साथ हल करें। जब एक बार आप समस्या को अवसर के रूप में देखना शुरू कर देंगे, तो फिर समस्या कभी उत्पन्न ही नहीं होगी। वह आपके पास अवसर का रूप लेकर आएगी और आपको दिन-प्रतिदिन बेहतर बनाएगी।

अक्सर कई लोग इसलिए हार मान जाते हैं क्योंकि वे कार्य करते समय पूर्ण एकाग्र नहीं होते। एकाग्रता ही सर्वश्रेष्ठ कार्य की कुंजी है। टॉम कॉनेलन अपनी पुस्तक 'एक प्रतिशत फॉर्मूला' में कहते हैं कि 'शीर्ष 1 प्रतिशत लोगों को अलग करने वाली चीज यह है कि वे दिन भर एकाग्र प्रयास और नियोजित स्वास्थ्य-लाभ की अवधियों का चक्र चलाते हैं।'

सही मायने में मैदान पर डटे रहने में ही असली सुख है। विपरीत परिस्थितियां होने पर भी जो मैदान छोड़ने से इंकार कर देता है, तो फिर विपरीत परिस्थितियां ही उसके लिए प्रगति, खुशी और सुख की नींव रचती हैं। बस इसके लिए थोड़ा-सा अपने व्यक्तित्व को 'मेलियोरिज्म' में ढालना होता है।

चंद्रग्रहण की दार्शनिकता

हजारों वर्षों से चंद्र ग्रहण को मिथकों और शकुनों के चश्मे से देखा जाता रहा है। लेकिन जब हम इन खगोलीय लोककथाओं की परतों को हटाते हैं, तो हमारे सामने एक गहरा मनोवैज्ञानिक रूपक उभरता है— चेतन सूर्य और अवचेतन चंद्रमा के बीच का संघर्ष, जिसे पृथ्वी की भौतिकता नियंत्रित करती है। बौद्धिक रूप से, चंद्र ग्रहण परिप्रेक्ष्य का एक पाठ है। यह तब होता है जब पृथ्वी, सूर्य और चंद्रमा के बीच सटीक रूप से आ जाती है, जिससे उसकी छाया चंद्रमा की सतह पर पड़ती है। छाया का मनोविज्ञान : युंगियन मनोविज्ञान में, छाया मानस के उन हिस्सों का प्रतिनिधित्व करती है जो छिपे हुए, दमित या अनजाने होते हैं। ग्रहण के दौरान, हम इस अवधारणा का एक सजीव चित्रण देखते हैं।

चंद्रमा, जो पारंपरिक रूप से हमारी भावनात्मक आंतरिकता और भीतरी मानस का प्रतीक है, अस्थायी रूप से पृथ्वी द्वारा ढक लिया जाता है, जो हमारी भौतिक वास्तविकता और अहंकार की सीमाओं का प्रतिनिधित्व करती है। ब्लड मून की घटना, जिसमें चंद्रमा गहरा तांबे जैसा लाल हो जाता है, वायुमंडलीय अपवर्तन का एक बौद्धिक चमत्कार है। जैसे ही सूर्य का प्रकाश पृथ्वी के वायुमंडल से गुजरता है, नीली तरंगें बिखर जाती हैं, जबकि लंबी लाल तरंगें मुड़कर चंद्रमा की सतह तक पहुंचती हैं। मनोवैज्ञानिक रूप से यह लालिमा एक अनुस्मारक है कि पूर्ण अंधकार में भी, हमारे अनुभवों के वायुमंडल से छनकर कुछ प्रकाश अभी भी हमारे गहरे भावनात्मक केंद्र तक पहुंचता है।

यह संकेत देता है कि कोई भी चीज़ वास्तव में पूरी तरह से गायब नहीं होती; वह बस एक अलग आवृत्ति के माध्यम से दिखाई देती है। बौद्धिक पुनरारंभ : बौद्धिक दृष्टिकोण से, ग्रहण एक चक्र का व्यवधान है। हम समय और लय को चिह्नित करने के लिए चंद्रमा की अनुमानित कलाओं पर भरोसा करते हैं। अहंकार का ग्रहण : जिस तरह पृथ्वी की छाया चंद्रमा को ढक लेती है, उसी तरह हमारी दैनिक जिम्मेदारियां (पृथ्वी) अक्सर हमारी भावनात्मक जरूरतों (चंद्रमा) को ग्रहण लगा देती हैं। एकीकरण : ग्रहण तीन पिंडों के एकीकरण की मांग करता है। जो बताता है कि बौद्धिक स्पष्टता तभी आती है जब हमारे बाहरी कार्य, हमारी शारीरिक उपस्थिति और हमारी आंतरिक भावनाएं एक सीधी रेखा में हों।

साभार : लाइफइजएश डॉट ब्लॉगस्पॉट डॉट कॉम

ITR फाइल 500/-

Whatsapp पर बनवाएँ

Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस

हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।

www.onlytds.com

सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

श्रीकंचनपथ

भिलाई–दुर्ग

प्रमुख खबरें

हर साल 8-10 पौधे लगाते हैं गुंडरदेही के केशवराम

गुंडरदेही। गुंडरदेही के पर्यावरण प्रेमी केशवराम साहू लगातार पिछले कई वर्षों से पौधों के संरक्षण में जुटे हुए हैं। वे हर साल 8-10 पौधे लगाते हैं और उनकी देखभाल भी करते हैं। केशवराम साहू वर्ष 2005 से निरंतर पौधरोपण एवं संरक्षण अभियान चला रहे हैं। वे प्रतिदिन बोतलों से पौधों को पानी देकर उन्हें सूखने से बचाने की कोशिश करते हैं। उनके प्रयासों से अब तक गुंडरदेही नगर में 400 से अधिक बरगद, पीपल, नीम, आम, कदम सहित विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाए जा चुके हैं। इनमें तहसील कार्यालय परिसर, रजिस्टार कार्यालय, पुलिस थाना एवं साप्ताहिक बाजार स्थल जैसे सार्वजनिक स्थान प्रमुख हैं।

बारिश से पहले सड़क नहीं बनी तो बच्चों को नहीं भेंजेंगे स्कूल

तारीभरदा। गुरूर के वनांचल क्षेत्र में स्थित करियाटोला-कपरमेटा मार्ग पिछले लगभग 20 वर्षों से जर्जर स्थिति में पहुंच चुका है। नेशनल हाईवे 930 चिरचारी से कोसमी तथा नांहदा से कोसमी होते हुए फॉरेस्ट विभाग के करियाटोला पहुंच मार्ग की हालत इतनी खराब हो गई है कि ग्रामीणों को रोजाना भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि जल्द सड़क की मरम्मत नहीं हुई तो वे बच्चों की सुरक्षा को देखते हुए उन्हें इस सत्र में स्कूल भेजना बंद कर सकते हैं।

महिलाओं ने सीखी हथकरघे पर वस्त्र बनाने की कला

अंडा। ग्राम चिंगरी में आयोजित हथकरघा एवं बुनाई प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन हुआ। लगभग चार माह तक चले इस प्रशिक्षण में गांव की 20 महिलाओं ने हथकरघा से कपड़ा बनाने की पारंपरिक कला सीखी। ग्राम चिंगरी में सालों से हाथ से कपड़ा बनाने का कार्य किया जाता रहा है, जो ग्रामीण संस्कृति और रोजगार का महत्वपूर्ण हिस्सा रहा है। यह पारंपरिक कला धीरे-धीरे कम होती जा रही थी। प्रशिक्षण ने फिर से हथकरघा उद्योग को उभारा है। प्रशिक्षण के दौरान महिलाओं को सूत तैयार करने, करघा चलाने, डिजाइन तैयार करने और कपड़ा बुनने की बारीकियां सिखाई गईं।

निगम ने खुले में मांस-मछली बेचने वालों पर कार्रवाई की

भिलाई। नगर निगम ने मॉडल टाउन और जुनवानी क्षेत्र में जुनवानी मार्केट के पास विशेष अभियान चलाकर खुले में चिकन और मछली बेचने वालों पर कार्रवाई की। निगम टीम ने सड़क किनारे अवैध रूप से किए जा रहे कारोबार को रोक दिया तथा संबंधित स्थल को पूरी तरह खाली कराया। अभियान के दौरान कुल पांच दुकानदारों से 950 रुपए का दंडात्मक शुल्क वसूला गया।

गंगा दशहरा से शुरू हुआ नौतपा, 46 साल बाद बना यह योग, दो जून तक रोहणी नक्षण में रहेंगे सूर्य

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। ज्येष्ठ अधिमास के बीच नौतपा आज शुरू हो गया। विशेष संयोग यह है कि इस बार करीब 46 साल बाद गंगा दशहरा के दिन नौतपा की शुरुआत हो रही है। इस बार नौतपा में 2 मंगलवार का भी संयोग बनेगा। 2 जून तक सूर्य रोहणी नक्षत्र में रहेगा।

ज्योतिषाचार्य पं. विनोद तिवारी ने बताया कि वर्ष 1980 के बाद ऐसा संयोग बन रहा है। इस समय को सूर्य के सबसे अधिक गर्म होने के लिए माना जाता है, लेकिन इस दौरान मिथुन राशि में गुरु और शुक्र का योग बन रहा है। वहीं 29 मई को बुध के प्रवेश से त्रिग्रही योग बनेगा।

इसकी वजह से गर्मी अपने चरम पर रह सकता है। साथ ही लू और आंधी भी चलने की संभावना है। वहीं कुछ स्थानों पर बूंदाबांदी के कारण

नौतपा खंडित हो सकता है। यह भी मान्यता है कि नौतपे की गर्मी वातावरण में मौजूद कीटाणुओं और संक्रमण फैलाने वाले जीवाणु को नष्ट करती है। हालांकि इस बार बीच-बीच में बारिश होने से इसके प्रभाव पर फर्क पड़ सकता है।

ज्योतिषाचार्य पं. कमलकांत चौबे ने बताया कि ज्येष्ठ अधिकमास में ही नौतपा का गंगा दशहरा से मिलान होता है। इस बार 25 मई को गंगा दशहरा के दिन रवि योग और श्रीवत्स योग भी बन रहा है।

इसी दिन सूर्य रोहिणी नक्षत्र में प्रवेश कर 2 जून तक रहेगा। इसके शुरुआती नौ दिन नौतपा कहलाते हैं। इस दौरान सूर्य का प्रभाव सबसे अधिक होता है। इस बार रोहिणी के खंडित होने के संकेत हैं, जिससे कहीं अतिवृष्टि और कहीं खंड वृष्टि हो सकती है। नौतपा के बीच में ही बारिश शुरू होने की संभावना है।

हाई रिस्क प्रेग्नेंसी के मामलों में ऐसे करें तैयारी, पति को भी बताई गई उनकी जिम्मेदारी

भिलाई-3 पीएचसी और सिविल अस्पताल सुपेला में लगी कार्यशाला, दी गई जरूरी जानकारी

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। जिले में हाई रिस्क गर्भवती महिलाओं की सुरक्षित डिलीवरी और बेहतर देखभाल को लेकर स्वास्थ्य विभाग ने नई पहल शुरू की है। अब गोसइय्यां कार्यक्रम के माध्यम से पतियों को यह सिखाया जा रहा है कि गर्भावस्था के दौरान अपनी पत्नी की देखभाल कैसे करें और प्रसव के समय किन जरूरी बातों का ध्यान रखें।

भिलाई-3 प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र और सिविल अस्पताल सुपेला में आयोजित कार्यक्रम में गर्भवती महिलाओं के साथ उनके पतियों को भी विशेष प्रशिक्षण दिया गया। कार्यक्रम में हाई रिस्क प्रेग्नेंसी की पहचान, अस्पताल चयन, ब्लड डोनर की व्यवस्था, खानपान, आयरन औ र कैल्शियम की दवाइयों के महत्व सहित कई जरूरी विषयों पर विस्तार से जानकारी दी गई।

छत्तीसगढ़ सरकार के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग द्वारा प्रत्येक माह की 9 और 24 तारीख को प्रधानमंत्री मातृत्व स्वास्थ्य कार्यक्रम आयोजित किया जाता है। इसके तहत हाई रिस्क गर्भवती महिलाओं और पहली तिमाही के बाद की

नई गर्भवती महिलाओं की नि:शुल्क जांच की जाती है। गोसइय्यां कार्यक्रम के दौरान गर्भवती महिलाओं और उनके पतियों को छह प्रमुख बिंदुओं पर काउंसलिंग दी गई।

प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र भिलाई-3 में आयोजित सत्र में बीईटीओ सैय्यद असलम ने बताया कि सभी हितग्राहियों का आधार कार्ड, मोबाइल नंबर और बैंक खाते को आपस में लिंक करना जरूरी है। इससे अस्पताल विजिट के दौरान मिलने वाली 100 रुपए की सहायता राशि और प्रसव के बाद जननी सुरक्षा योजना का लाभ सीधे खाते में पहुंच सकेगी।

पहले ही तय कर लें अस्पताल

कार्यक्रम में यह भी समझाइश दी गई कि प्रत्येक उच्च जोखिम वाले गर्भ के मामले में डाक्टर और अस्पताल का चयन पहले ही कर लेना चाहिए। इसके लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, सिविल अस्पताल और जिला अस्पताल की डिलीवरी फैसिलिटी की जानकारी देने के साथ हायर सेंटर मैपिंग कराई गई ताकि प्रसव के समय किसी भी प्रकार की परेशानी न हो। जिला नोडल मातृत्व स्वास्थ्य कार्यक्रम की प्रभारी डॉ अर्चना चौहान ने कहा कि प्रसव के दौरान यदि रक्त की आवश्यकता पड़ जाए तो पहले से ब्लड डोनर की व्यवस्था होना भी बेहद जरूरी होता है। इसी वजह से पतियों को ब्लड डोनर तैयार रखने और जरूरत पड़ने पर तत्काल संपर्क व्यवस्था बनाए रखने की सलाह दी गई।

क्या है उच्च जोखिम गर्भावस्था

ऐसी गर्भवती महिलाएं जिनका वजन/लंबाई कम हो, उम्र बहुत कम या ज्यादा हो, गंभीर एनीमिया, उच्च रक्तचाप, मधुमेह हो या पिछली डिलीवरी ऑपरेशन से हुई हो, उनकी पहचान की जाती है। स्त्री रोग विशेषज्ञों द्वारा गर्भवती माताओं की नि:शुल्क जांच और सोनोग्राफी की जाती है। प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के तहत प्रथम संतान के जन्म पर माता को 5,000 की सहायता राशि दो किस्तों में दी जाती है। पंजीकृत महिला श्रमिकों को प्रसूति के समय 20,000 तक की वित्तीय सहायता प्राप्त होती है। योजना का लाभ लेने के लिए अपने निकटतम आंगनबाड़ी केंद्र या स्वास्थ्य कार्यकर्ता से संपर्क करें और अपना पंजीयन कराएं। जांच की तिथियों (9 और 24 तारीख) पर नजदीकी सामुदायिक या प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में उपस्थित हों।

साध्वी आर्यिका के साथ हुए हादसे पर सकल जैन समाज ने मांगी सुरक्षा

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। साध्वी आर्यिका के साथ हुए हादसे के बाद सकल जैन समाज दुर्ग-भिलाई ने राष्ट्रपति एवं प्रधानमंत्री के नाम आज ज्ञापन सौंपा। सकल जैन समाज ने इसके साथ ही देश भर में संत सुरक्षा प्रोटोकॉल को तत्काल लागू करने की मांग की है।

हाल ही में जैन साध्वी आर्यिका के साथ हुई घटना के साथ ही देशभर में जैन साधु-संतों के साथ निरंतर घट रही घटनाओं को लेकर सोमवार सुबर हिन्दी भवन के पास धरना दिया गया। यहां से रैली के रुप में जाकर जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा गया।

सकल जैन समाज के प्रतिनिधियों ने बताया कि जैन साधु-संत पूर्णत: अहिंसक, निहत्थे एवं पैदल विहार करने वाले तपस्वी होते हैं, जो समाज को शांति, संयम एवं करुणा का संदेश देते हैं। ऐसे संतों की सुरक्षा को लेकर बार-बार सामने आ रही घटनाएं अत्यंत गंभीर एवं चिंताजनक हैं।

ज्ञापन में आर्यिका माताजी प्रकरण की एसआईटी अथवा न्यायिक जांच कराई जाए। घटना से जुड़े सीसीटीवी फुटेज, वीडियो एवं डिजिटल साक्ष्यों को सुरक्षित रखा जाए। दोषियों पर कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। इसके साथ ही देशभर में विहाररत जैन संतों हेतु संत सुरक्षा प्रोटोकॉल तत्काल लागू करने की मांग की गई है। समाज सदैव शांति, अहिंसा एवं संवैधानिक मर्यादाओं में विश्वास रखता है। यह पहल किसी प्रकार का तनाव उत्पन्न करने हेतु नहीं, बल्कि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने एवं संतों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से की जा रही है।

बारिश पूर्व कसारीडीह नाले की सफाई, लोककर्म प्रभारी ने लिया जायजा, संवेदनशील क्षेत्रों पर रहेगी विशेष नजर

■ महापौर बोलीं- बारिश के दौरान नागरिकों को नहीं होने देंगे परेशानी

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। आगामी बारिश के मद्देनजर नगर पालिक निगम प्रशासन द्वारा शहर में जलभराव और जल निकासी संबंधी व्यवस्थाओं को लेकर विशेष अभियान चलाया जा रहा है। महापौर अलका बाघमार एवं आयुक्त सुमित अग्रवाल के निर्देश पर स्वास्थ्य विभाग एवं निगम अमला लगातार शहर की व्यवस्थाओं की मॉनिटरिंग कर रहा है।

आज लोक कर्म विभाग प्रभारी देव नारायण चन्द्राकर ने वार्ड पार्षद दीपक साहू, स्वास्थ्य अधिकारी दुर्गेश गुप्ता एवं

सहायक स्वास्थ्य अधिकारी शेखर दुबे के साथ सहगल ऑटो के समीप कसारीडीह नाला पहुंचकर सफाई कार्यों का निरीक्षण किया।

अधिकारियों ने बताया कि बारिश के दौरान नागरिकों को किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए नालों की सफाई, जल निकासी व्यवस्था को मजबूत करने एवं जलभराव वाले क्षेत्रों में विशेष तैयारी की जा रही है।

जानकारी अनुसार शंकर नाला मुक्तिधाम के पीछे से सफाई अभियान प्रारंभ कर सुराना कॉलेज केलबाड़ी नाला, पोटिया नाला सहित कसारीडीह नाला की व्यापक सफाई कराई जा रही है। साथ ही जलभराव संभावित स्थानों की पहचान कर वहां आवश्यक संसाधनों की व्यवस्था भी सुनिश्चित की जा रही है।

महापौर अलका बाघमार ने कहा कि निगम प्रशासन बारिश पूर्व सभी आवश्यक तैयारियां समय पर पूरी करने के लिए प्रतिबद्ध है। शहर के प्रमुख नालों एवं जलभराव संभावित क्षेत्रों पर विशेष निगरानी रखी जा रही है ताकि आम नागरिकों को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

आयुक्त सुमित अग्रवाल ने कहा कि बारिश के दौरान जलभराव एवं नाली जाम जैसी समस्याओं से निपटने के लिए नियंत्रण व्यवस्था भी बनाई जा रही है। संवेदनशील क्षेत्रों में निगम की टीम नियमित मॉनिटरिंग करेगी तथा शिकायत प्राप्त होते ही तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

एक्जीक्यूटिव एजुकेशन प्रोग्राम के लिए सेल का एमडीआई से समझौता ज्ञापन

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) के मैनेजमेंट ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट 'एमटीआई' और मैनेजमेंट डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट 'एमडीआई', गुड़गांव ने 20 मई, को समझौता ज्ञापन 'एमओयू' पर हस्ताक्षर किए हैं। कंपनी के नई दिल्ली स्थित कॉर्पोरेट ऑफिस में हुआ यह समझौता, सेल में भविष्य की कमान संभालने वाले लीडर्स को तैयार करने के उद्देश्य से एग्जीक्यूटिव एजुकेशन प्रोग्राम्स पर मिलकर काम करने के लिए किया गया है।

यह साझेदारी अकादमिक ज्ञान को व्यावहारिक इस्तेमाल के साथ जोड़ेगी। इसके तहत कस्टमाइज्ड लीडरशिप प्रोग्राम्स, रणनीति और

इनोवेशन पर आधारित लर्निंग इंटरवेंशन, मापने योग्य व्यावसायिक प्रभाव के लिए 'एक्शन लर्निंग', ओवरसीज लर्निंग प्रोग्राम, संयुक्त रिसर्च व कंसल्टिंग और कंपनी के अधिकारियों की जरूरतों के हिसाब से तैयार किए गए केस स्टडीज शामिल होंगे। इस सहयोग का मुख्य उद्देश्य ग्लोबल बेस्ट प्रैक्टिसेज के साथ तालमेल बिठाते हुए संगठनात्मक क्षमता को मजबूत करना है। इस एमओयू पर सेल एमटीआई के कार्यपालक निदेशक संजय धर और एमडीआई की प्रोफेसर सुमिता राय ने हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर सेल के निदेशक (कार्मिक) केके सिंह और सेल तथा एमडीआई के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे।

छत्तीसगढ़ बनेगा निवेश के मानचित्र पर उभरता नया सितारा, केन्द्रीय वाणिज्य मंत्री के नेतृत्व में दल रवाना

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई/रायपुर। छत्तीसगढ़ के व्यापार, उद्योग और निवेश के इतिहास में एक ऐतिहासिक और गौरवपूर्ण अध्याय जुड़ने जा रहा है। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल के नेतृत्व में कनाडा जाने वाले भारतीय प्रतिनिधिमंडल में छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के प्रदेश अध्यक्ष सतीश थौरानी का शामिल होना पूरे प्रदेश के लिए सम्मान, आत्मविश्वास और नई संभावनाओं का प्रतीक बन गया है।

यह विदेश यात्रा नए, आत्मनिर्भर और विकसित छत्तीसगढ़ की वैश्विक पहचान स्थापित करने की ऐतिहासिक पहल है। इतिहास में पहली बार छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज का कोई प्रतिनिधि केंद्रीय मंत्री के नेतृत्व में अंतरराष्ट्रीय मंच पर प्रदेश की औद्योगिक शक्ति, व्यापारिक क्षमता और निवेश संभावनाओं का प्रतिनिधित्व करेगा। यह पूरे प्रदेश की बढ़ती आर्थिक ताकत और राष्ट्रीय स्तर पर स्वीकार्यता

का प्रमाण भी है।

कनाडा दौरे के दौरान छत्तीसगढ़ चेम्बर अध्यक्ष सतीश थौरानी वहां के प्रमुख उद्योगपतियों, निवेशकों और व्यापारिक संगठनों से मुलाकात करेंगे तथा छत्तीसगढ़ को निवेश, उद्योग और नवाचार के उभरते केंद्र के रूप में प्रस्तुत करेंगे। यह प्रयास प्रदेश को राष्ट्रीय सीमाओं से आगे बढ़ाकर वैश्विक निवेश मानचित्र पर सशक्त पहचान दिलाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। चेम्बर अध्यक्ष सतीश थौरानी का इस प्रतिनिधिमंडल में शामिल होना प्रदेश के व्यापारिक समुदाय की बढ़ती प्रतिष्ठा, प्रभाव और विश्वसनीयता को भी दर्शाता है।

कनाडा दौरे पर रवाना होने के दौरान चेम्बर अध्यक्ष सतीश थौरानी ने कहा यह केवल मेरा नहीं, बल्कि पूरे छत्तीसगढ़ के व्यापारिक समुदाय के गौरव और सम्मान का क्षण है। हमारा प्रयास रहेगा कि कनाडा के उद्योगपतियों और निवेशकों के सामने छत्तीसगढ़ की औद्योगिक शक्ति, प्राकृतिक संसाधनों की समृद्धि और यहां उपलब्ध अपार संभावनाओं को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया जाए।

श्री थौरानी ने आगे कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के 'विकसित भारत' के विजन ने देश में निवेश, उद्योग और आत्मनिर्भरता का एक नया वातावरण तैयार किया है। आज भारत विश्व की सबसे तेजी से उभरती अर्थव्यवस्था बनकर वैश्विक निवेशकों का विश्वास जीत रहा है। उसी दूरदर्शी सोच का परिणाम है कि छत्तीसगढ़ को अंतरराष्ट्रीय मंचों पर अपनी औद्योगिक क्षमता प्रस्तुत करने का अवसर मिल रहा है।

500 एकड़ पपीते की फसल पर चला दिया ट्रैक्टर, नहीं मिल रहे खरीदार

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले में इस बार पपीता किसानों को भारी नुकसान झेलना पड़ा है। पिछले साल अच्छे दाम मिलने के बाद किसानों ने बड़े पैमाने पर पपीते की खेती की थी, लेकिन इस साल बाजार में पपीते के दाम गिर गए। वहीं, डीजल संकट ने किसानों की मुश्किल और बढ़ा दी।

ट्रांसपोर्ट बंद होने से खेतों में तैयार फसल मंडियों तक नहीं पहुंच सकी। इससे नाराज किसानों ने करीब 500 एकड़ में लगी पपीते की तैयार फसल पर ट्रैक्टर चलाकर उसे नष्ट कर दिया।

अगर फसल खेत में छोड़ देते तो अगली खेती की तैयारी भी नहीं हो पाती। दूसरी तरफ बाजार में भाव इतने कम थे कि लागत निकालना भी मुश्किल हो गया था। यह मामला धमधा क्षेत्र का है।

किसानों ने बताया कि इस साल पपीते का भाव पूरे सीजन में ज्यादातर 6 से 7 रुपए किलो के बीच रहा। केवल एक-दो बार ही 10 से 12 रुपए किलो तक दाम मिले। हालात तब और बिगड़ गए जब डीजल की किल्लत के कारण ट्रकों की आवाजाही प्रभावित हो गई। धमधा से कच्चा पपीता पश्चिम बंगाल, बिहार और दिल्ली तक भेजा जाता है, लेकिन ट्रांसपोर्ट बंद होने से माल खेतों में ही अटक गया। धीरे-धीरे फल पकने लगे और खराब होने लगे।

लाल किला मैदान से गूंजा जनजातीय गौरव का स्वर

जनजातीय समाज भारत की सांस्कृतिक आत्मा का सबसे प्राचीन और जीवंत स्वरूप - मुख्यमंत्री साय

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। देश की राजधानी दिल्ली के ऐतिहासिक लाल किला मैदान में रविवार को जनजातीय अस्मिता, सांस्कृतिक गौरव और सामाजिक चेतना का विराट संगम देखने को मिला, जब भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती वर्ष के अवसर पर आयोजित राष्ट्रीय जनजाति सांस्कृतिक समागम में देशभर से हजारों जनजातीय प्रतिनिधि, युवा, सामाजिक कार्यकर्ता तथा पारंपरिक समुदायों के लोग एक मंच पर एकत्र हुए। जनजाति सुरक्षा मंच एवं जनजाति जागृति समिति द्वारा आयोजित इस भव्य कार्यक्रम में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की उपस्थिति ने कार्यक्रम को विशेष महत्व प्रदान किया। मुख्यमंत्री साय के साथ छत्तीसगढ़ सरकार के मंत्री केदार कश्यप एवं रामविचार नेताम भी उपस्थित थे।

कार्यक्रम स्थल पर दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से सौजन्य भेंट की। लाल किले की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, पारंपरिक वेशभूषा, लोक वाद्ययंत्रों और जनजातीय संस्कृति के विविध रंगों से सजा यह आयोजन केवल सांस्कृतिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि भारत की मूल सांस्कृतिक चेतना और जनजातीय पहचान के संरक्षण का राष्ट्रीय संदेश बनकर उभरा।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कार्यक्रम में देशभर से आए जनजातीय समाज के प्रतिनिधियों और लोगों से आत्मीय मुलाकात की तथा अपने संबोधन में कहा कि जनजातीय समाज केवल प्रकृति का रक्षक नहीं, बल्कि भारत की सांस्कृतिक आत्मा का सबसे प्राचीन और जीवंत स्वरूप है। उन्होंने कहा कि सदियों से जल, जंगल और जमीन की रक्षा करते हुए जनजातीय समाज ने प्रकृति और मानव जीवन के बीच संतुलन बनाए रखने का कार्य किया है। आज जब पूरी दुनिया पर्यावरण संकट और असंतुलित विकास की चुनौतियों से जूझ रही है, तब जनजातीय जीवन दर्शन मानवता को टिकाऊ और प्रकृति-सम्मत विकास का रास्ता दिखा सकता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जनजातीय समाज सदियों से प्रकृति के साथ सहअस्तित्व और संतुलन का जीवन जीता आया है तथा उनकी संस्कृति और परंपराएं भारत की अमूल्य धरोहर हैं। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ की पहचान उसकी समृद्ध जनजातीय संस्कृति से गहराई से जुड़ी हुई है। छत्तीसगढ़ में लगभग 44 प्रतिशत भू-भाग वनाच्छादित है, जो केवल प्राकृतिक संपदा का प्रतीक नहीं, बल्कि जनजातीय जीवन, संस्कृति और परंपरा का जीवंत आधार भी है। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता आंदोलन से लेकर राष्ट्र निर्माण तक जनजातीय समाज का योगदान अतुलनीय रहा है। भगवान बिरसा मुंडा तथा छत्तीसगढ़ के अमर शहीद वीर नारायण सिंह जैसे महानायकों ने अपनी संस्कृति, स्वाभिमान और अधिकारों की रक्षा के लिए संघर्ष, साहस और बलिदान का अद्वितीय इतिहास रचा है, जो नई पीढ़ी के लिए प्रेरणा का स्रोत है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि उनकी सरकार जनजातीय संस्कृति, परंपराओं और जीवन मूल्यों के संरक्षण तथा संवर्धन के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने बताया कि 'आदि परब', बस्तर पंडुम और बस्तर ओलंपिक जैसे आयोजन केवल सांस्कृतिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि जनजातीय प्रतिभा, परंपरा, खेलकौशल और पहचान को राष्ट्रीय मंच देने का सशक्त प्रयास हैं। उन्होंने कहा कि इन आयोजनों के माध्यम से जनजातीय समाज की सांस्कृतिक शक्ति, सामूहिकता और प्रतिभा को नई पहचान मिल रही है तथा युवा पीढ़ी को अपनी जड़ों से जुड़ने की प्रेरणा भी प्राप्त हो रही है।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि किसी भी समाज की संस्कृति उसकी भाषा से जीवित रहती है, इसलिए छत्तीसगढ़ सरकार जनजातीय भाषाओं और सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। उन्होंने बताया कि गोंडी, हल्बी और सादरी जैसी जनजातीय भाषाओं में बच्चों को प्रारंभिक शिक्षा देने की दिशा में विशेष पहल की जा रही है, ताकि नई पीढ़ी अपनी मातृभाषा, सांस्कृतिक जड़ों और पारंपरिक ज्ञान से जुड़ी रह सके। उन्होंने कहा कि भाषा केवल संवाद का माध्यम नहीं होती, बल्कि वह किसी समाज की पहचान, इतिहास और सामूहिक स्मृति का आधार भी होती है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने आगे कहा कि बस्तर से सरगुजा तक देवगुड़ी जैसे पारंपरिक आस्था केंद्रों के संरक्षण और विकास का कार्य तेजी से किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जनजातीय समाज की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करना केवल परंपरा को बचाने का कार्य नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों को अपनी जड़ों से जोड़ने और उनकी पहचान को मजबूत बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास है। राज्य सरकार इस दिशा में संवेदनशीलता और प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है।

कार्यक्रम के दौरान देश के विभिन्न राज्यों से आए जनजातीय कलाकारों ने पारंपरिक नृत्य, लोक संगीत और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से भारत की समृद्ध जनजातीय विरासत की जीवंत झलक प्रस्तुत की। लाल किला मैदान मांदर, ढोल, पारंपरिक लोकधुनों और सांस्कृतिक उत्साह से गूंजता रहा। विविध जनजातीय परंपराओं, रंगों, वेशभूषाओं और सांस्कृतिक अभिव्यक्तियों से सजा यह आयोजन देश की विविधता में एकता और सांस्कृतिक समृद्धि का प्रभावशाली प्रतीक बनकर सामने आया।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि जनजातीय समाज केवल अतीत की विरासत नहीं, बल्कि भारत के भविष्य की भी महत्वपूर्ण शक्ति है। उन्होंने कहा कि जनजातीय समाज का जीवन दर्शन, प्रकृति के प्रति सम्मान, सामुदायिक जीवन की भावना और सांस्कृतिक अनुशासन आधुनिक विकास मॉडल को मानवीय और संतुलित दिशा दे सकते हैं। आयोजित यह राष्ट्रीय जनजाति सांस्कृतिक समागम केवल एक आयोजन बनकर सीमित नहीं रहा, सांस्कृतिक पुनर्जागरण और प्रकृति-सम्मत विकास के राष्ट्रीय संकल्प का सशक्त घोष बनकर उभरा।

खास-खबर

भीषण गर्मी में यात्रियों को राहत पहुंचाने हेतु दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की विशेष पहल

बिलासपुर। बिलासपुर भीषण गर्मी एवं लगातार बढ़ते तापमान को देखते हुए दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा यात्रियों को राहत प्रदान करने हेतु प्रमुख स्टेशनों पर वाटर मिस्टिंग सिस्टम प्रभावी रूप से संचालित किए जा रहे हैं। प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी रेलवे प्रशासन द्वारा गर्मी के मौसम में यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए यह विशेष व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। बिलासपुर, रायपुर, दुर्ग, राजनांदगांव एवं गोंदिया स्टेशनों के प्लेटफार्मों पर स्थापित मिस्टिंग सिस्टम के माध्यम से सूक्ष्म जल फुहारों का छिड़काव किया जा रहा है। इस तकनीक से प्लेटफार्मों के आसपास के वातावरण के तापमान में कमी आती है, जिससे ट्रेन की प्रतीक्षा कर रहे यात्रियों को गर्मी एवं उमस से काफी राहत मिलती है।विशेष रूप से दोपहर के समय, जब तापमान अत्यधिक बढ़ जाता है, तब यह व्यवस्था यात्रियों के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध हो रही है। प्लेटफार्मों पर लगातार संचालित हो रहे जल फुहारों से वातावरण अपेक्षाकृत शीतल बना रहता है, जिससे यात्रियों को अधिक आरामदायक अनुभव प्राप्त हो रहा है। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए गर्मी के मौसम में इस प्रकार की यात्री हितैषी व्यवस्थाओं को निरंतर प्रभावी रूप से संचालित किया जा रहा है।

सर्वमंगला पुल सड़क का डामरीकरण व सुदृढ़ीकरण कार्य प्रारंभ

कोरबा। नगर निगम कोरबा क्षेत्र के सर्वमंगला पुल सड़क का बहुप्रतीक्षित डामरीकरण व सुदृढ़ीकरण का कार्य रविवार को प्रारंभ किया गया है। प्रदेश के उद्योग, वाणिज्य, श्रम, आबकारी व सार्वजनिक उपक्रम मंत्री लखनलाल देवांगन व महापौर संजूदेवी राजपूत ने डामरीकरण कार्य हेतु पूजा अर्चना की, वहीं उद्योग मंत्री देवांगन ने नारियल तोड़कर कार्य का शुभारंभ कराया तथा कार्य प्रारंभ कर पूरी गुणवत्ता के साथ कार्य करते हुये कार्य को यथाशीघ्र पूरा करने के निर्देश अधिकारियों को दिये। नगर पालिक निगम कोरबा द्वारा जिला खनिज न्यास मद से 82 लाख रूपये की लागत से निगम क्षेत्रांतर्गत सर्वमंगला पुल सड़क एवं एप्रोच सड़क के डामरीकरण चैड़ीकरण व मजबूतीकरण का कार्य कराया जाना हैं, प्रदेश के उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन व महापौर संजूदेवी राजपूत ने उक्त कार्य का भूमिपूजन किया।

कोरबा की बेटी डॉ.जुई ने बढ़ाया मान

कोरबा। कोरबा शहर की प्रतिभाशाली बेटी सुश्री जुई गिरी ने राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) रायपुर से डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी (पीएचडी) की उपाधि प्राप्त कर जिले और प्रदेश का गौरव बढ़ाया है। उन्हें यह उपाधि 18 मई 2026 को प्रदान की गई। जुई गिरी, कोरबा के 15 ब्लॉक निवासी जे. गिरी एवं श्रीमती निर्मला गिरी की सुपुत्री है। डॉ. जुई गिरी ने वास्तुकला एवं आयोजना विभाग में कोरबा शहर के सार्वजनिक शहरी उद्यानों की वहन क्षमता का अध्ययन विषय पर अपना शोधकार्य पूर्ण किया है। यह शोधकार्य विभाग की सहायक प्राध्यापक एवं शोध निर्देशक डॉ. वंदना अग्रवाल तथा सह-शोध निर्देशक प्रोफेसर डॉ. स्वास्ति स्थापक के मार्गदर्शन में सम्पन्न हुआ।

सुशासन तिहार का असरः 30 घंटे के भीतर बहाल हुई बिजली व्यवस्था

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। प्रदेश में चल रहे 'सुशासन तिहार' के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में जनसमस्याओं के त्वरित निराकरण की सकारात्मक तस्वीर सामने आ रही है। इसी कड़ी में रायगढ़ जिले के ग्राम चपले के बायंग चौक में खराब ट्रांसफार्मर के कारण बाधित बिजली व्यवस्था को महज 24 से 30 घंटे के भीतर बहाल कर ग्रामीणों को राहत पहुंचाई गई।

बताया गया कि ट्रांसफार्मर खराब होने से क्षेत्र में बिजली आपूर्ति पूरी तरह प्रभावित हो गई थी। तेज गर्मी के बीच बिजली बंद रहने से पेयजल व्यवस्था सहित रोजमर्रा के कार्यों में ग्रामीणों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था। समस्या की जानकारी मिलने पर वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी ने तत्काल संज्ञान लेते हुए विद्युत विभाग को शीघ्र नया ट्रांसफार्मर स्थापित कर बिजली व्यवस्था बहाल करने के निर्देश दिए।

मंत्री के निर्देश के बाद विद्युत विभाग की टीम ने अवकाश दिवस होने के बावजूद तेजी से कार्रवाई शुरू की। अधिकारियों और कर्मचारियों ने मौके पर पहुंचकर तेजी के साथ कार्य करते हुए नया ट्रांसफार्मर स्थापित किया और बिजली आपूर्ति पुनः शुरू कर दी। बिजली बहाल होने के बाद ग्रामीणों ने राहत महसूस करते हुए शासन और प्रशासन के प्रति आभार जताया। ग्रामीणों का कहना है कि 'सुशासन तिहार' के माध्यम से गांवों में समस्याओं का तेजी से समाधान हो रहा है, जिससे आमजन का भरोसा शासन पर और मजबूत हुआ है।

माउंट एवरेस्ट विजेता अमिता श्रीवास के स्वास्थ्य लाभ हेतु राज्य सरकार सजग : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री साय ने अधिकारियों को समन्वय कर हरसंभव सहायता सुनिश्चित करने के दिए निर्देश

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। जांजगीर-चांपा जिले की होनहार पर्वतारोही अमिता श्रीवास ने विश्व की सबसे ऊंची चोटी माउंट एवरेस्ट (8848 मीटर) को 22 मई 2026 को सफलतापूर्वक फतह कर छत्तीसगढ़ का नाम राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित किया है। उनकी इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि अमिता ने अपने साहस, दृढ़ संकल्प और अथक मेहनत से प्रदेश के युवाओं के लिए प्रेरणा का नया अध्याय रचा है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि यह पूरे छत्तीसगढ़ के लिए गर्व का विषय है कि छत्तीसगढ़ की बेटी ने विश्व की सर्वोच्च चोटी पर तिरंगा और हमारे प्रदेश का गौरव बढ़ाया।

मुख्यमंत्री साय ने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर पोस्ट कर कहा कि समिट के बाद बेस कैंप लौटने के दौरान अत्यधिक ऊंचाई, शून्य से लगभग 40 डिग्री सेल्सियस नीचे तापमान और ऑक्सीजन की कमी के कारण अमिता श्रीवास की तबीयत बिगड़ने की जानकारी मिली है। उन्हें हेलीकॉप्टर के माध्यम से रेस्क्यू कर काठमांडू स्थित नॉर्विक इंटरनेशनल हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका उपचार जारी है। चिकित्सकों के अनुसार उन्हें गंभीर फ्रॉस्टबाइट एवं हाई एल्टीट्यूड संबंधी स्वास्थ्य समस्याएं हुई हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि जानकारी मिलते ही राज्य शासन के वरिष्ठ अधिकारियों को आवश्यक समन्वय स्थापित कर हरसंभव सहायता सुनिश्चित करने के निर्देश दे दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार अमिता श्रीवास और उनके परिवार के साथ खड़ी है तथा उनके बेहतर उपचार के लिए निरंतर संपर्क और सहयोग सुनिश्चित किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री साय ने अमिता के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना करते हुए कहा कि अमिता बिटिया शीघ्र पूर्ण रूप से स्वस्थ होकर अपने घर लौटें, यही हमारी कामना है। उनका साहस, धैर्य और हौसला हजारों युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत बनेगा। छत्तीसगढ़ को उन पर गर्व है।

सर्वमंगला पुल सड़क का डामरीकरण व सुदृढ़ीकरण कार्य प्रारंभ, उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन व महापौर संजूदेवी राजपूत ने कार्य हेतु भूमिपूजन

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। नगर निगम कोरबा क्षेत्र के सर्वमंगला पुल सड़क का बहुप्रतीक्षित डामरीकरण व सुदृढ़ीकरण का कार्य प्रारंभ किया गया है। प्रदेश के उद्योग, श्रम, आबकारी व सार्वजनिक उपक्रम मंत्री लखनलाल देवांगन व महापौर संजूदेवी राजपूत ने डामरीकरण कार्य हेतु पूजा अर्चना की, वहीं उद्योग मंत्री देवांगन ने नारियल तोड़कर कार्य का शुभारंभ कराया तथा कार्य प्रारंभ कर पूरी गुणवत्ता के साथ कार्य करते हुये कार्य को यथाशीघ्र पूरा करने के निर्देश अधिकारियों को दिये।

नगर पालिक निगम कोरबा द्वारा जिला खनिज न्यास मद से 82 लाख रूपये की लागत से निगम क्षेत्रांतर्गत सर्वमंगला पुल सड़क एवं एप्रोच सड़क के डामरीकरण चैड़ीकरण व मजबूतीकरण का कार्य कराया जाना हैं, आज प्रदेश के उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन व महापौर संजूदेवी राजपूत ने उक्त कार्य का भूमिपूजन किया, उन्होने पूजा अर्चना की तथा उद्योग मंत्री देवांगन ने नारियल तोड़कर कार्य का शुभारंभ कराया। उन्होने तत्काल कार्य प्रारंभ कर पूरी गुणवत्ता के साथ कार्य करते हुये यथाशीघ्र कार्य को पूरा करने के निर्देश अधिकारियों व निर्माण एजेंसियों को दिये। इस अवसर पर उद्योग मंत्री श्री देवांगन ने कहा कि ईरान-इजराईल युद्ध के कारण निर्मित हुई वैश्विक परिस्थितियों व इससे उत्पन्न डामर की कमी के कारण सड़कों के डामरीकरण के कार्य में अवरोध उपस्थित हो रहा है जबकि निगम क्षेत्र की सभी प्रमुख सड़कों के डामरीकरण व मजबूतीकरण का कार्य स्वीकृत हैं, निविदा आदि की प्रक्रिया कर ली गई है, किन्तु डामर की कमी के चलते कार्य प्रारंभ नहीं हो पा रहे हैं जबकि प्रशासनिक स्तर पर इस दिशा में लगातार प्रयास जारी हैं, उन्होने कहा कि काफी प्रयासों के बाद संबंधित निर्माण एजेंसी से आग्रह कर सर्वमंगला पुल सड़क के डामरीकरण का कार्य प्रारंभ किया गया है, इस कार्य के पूरा हो जाने के पश्चात इस मार्ग पर आवागमन अधिक सुविधाजनक हो जायेगा तथा उडने वाली धूल से राहत मिलेगी, उद्योग मंत्री देवांगन ने कहा कि कोरबा की अन्य सड़कों का डामरीकरण कार्य भी प्रारंभ हो, इस हेतु लगातार मेरे द्वारा प्रयास किये जा रहे हैं, वहीं कलेक्टर कुणाल दुदावत व निगम आयुक्त आशुतोष पाण्डेय द्वारा प्रशासनिक स्तर पर भी लगातार प्रयास जारी हैं।

इस अवसर पार्षद चन्द्रलोक सिंह, ईश्वर पटेल, रामाधर पटेल, माधव जायसवाल, पूर्व पार्षद दीपा राठौर, मण्डल अध्यक्ष मनीष मिश्रा, कोरबा मण्डल अध्यक्ष योगेश मिश्रा, रामशंकर साहू, हीरू जायसवाल, उत्तम जायसवाल, सुकेश दलाल, मनोज राठौर, अमित सिंह, वैभव शर्मा, जोन कमिश्नर सुनील टाण्डेय, सहयक अभियंता पीयूष सिंह राजपूत, उपअभियंता विनोद गोंड़, अंजय पाण्डेय, दीपक यादव, मनोज सिंह राजपूत, अनिल यादव आदि के साथ अन्य नागरिकगण उपस्थित थे।

पुलिस को मिली अत्याधुनिक मोबाइल फॉरेंसिक वैन, उप मुख्यमंत्री साव ने दिखाई हरी झंडी

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की अनुशंसा पर छत्तीसगढ़ के सभी जिलों को अत्याधुनिक मोबाइल फॉरेंसिक वैन उपलब्ध कराई गई है। इसी क्रम में मुंगेली जिले को करीब 65 लाख रुपये लागत की आधुनिक सुविधाओं से लैस मोबाइल फॉरेंसिक वैन प्राप्त हुई है।

इस वैन के तकनीकी उपयोग और अपराध अनुसंधान में इसकी भूमिका से पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को अवगत कराने मुंगेली कलेक्ट्रेट परिसर स्थित 'कलेक्टर जनदर्शन सभाकक्ष' में विशेष कार्यशाला आयोजित की गई। उप मुख्यमंत्री अरुण साव नवा रायपुर स्थित मंत्रालय से इसमें वर्चुअली शामिल हुए। उन्होने हरी झंडी दिखाकर मोबाइल फॉरेंसिक वैन को जिले में सेवा हेतु रवाना किया।

मुख्य अतिथि के रूप में कार्यशाला में ऑनलाइन जुड़े उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने कहा कि मुंगेली जिले को मिली यह अत्याधुनिक मोबाइल फॉरेंसिक वैन कानून व्यवस्था और अपराध जांच प्रणाली को नई मजबूती प्रदान करेगी। आधुनिक तकनीकों से सुसज्जित यह वैन पुलिस को घटनास्थल पर ही प्रारंभिक वैज्ञानिक जांच की सुविधा देगी, जिससे अपराध अनुसंधान में तेजी आएगी और साक्ष्य संकलन अधिक प्रभावी होगा।

तकनीकी क्षमता का उठाएं पूरा लाभ

बिलासपुर रेंज के आईजी रामगोपाल गर्ग ने कहा कि मोबाइल फॉरेंसिक वैन की तकनीकी क्षमताएं आपराधिक मामलों के त्वरित एवं वैज्ञानिक निराकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। उन्होंने उम्मीद जताई कि मुंगेली पुलिस इस सुविधा का बेहतर उपयोग कर अपराधियों के खिलाफ सशक्त कार्रवाई सुनिश्चित करेगी।

निष्पक्ष न्याय में बड़ी भूमिका निभाएगी वैन

मुंगेली एसएसपी भोजराम पटेल ने कहा कि देश की न्याय व्यवस्था में सभी नागरिकों के लिए न्याय समान है। उन्होंने कहा कि न्याय भेद नहीं करता और प्रत्येक नागरिक को निष्पक्ष न्याय मिलना उसका अधिकार है। उन्होंने विश्वास जताया कि यह मोबाइल फॉरेंसिक वैन वैज्ञानिक साक्ष्यों के आधार पर निष्पक्ष और सटीक जांच में बड़ी मददगार साबित होगी।

कार्यशाला में तकनीकी सत्र में फॉरेंसिक एक्सपर्ट ज्योत्सना लकड़ा ने एलईडी स्क्रीन के माध्यम से पुलिस अधिकारियों और जवानों को वैन में उपलब्ध आधुनिक उपकरणों एवं तकनीकों की विस्तृत जानकारी दी।

उन्होंने घटनास्थल से वैज्ञानिक साक्ष्य संकलन की प्रक्रिया, साक्ष्य सुरक्षित रखने में बरती जाने वाली सावधानियों तथा मौके पर ही प्राथमिक फॉरेंसिक जांच करने के तरीकों पर व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया। साथ ही बताया कि अदालत में साक्ष्यों की वैधता बनाए रखने के लिए वैज्ञानिक पद्धति से जांच और दस्तावेजीकरण अत्यंत आवश्यक है।

प्रधानमंत्री की बचत अपील का दिखा असर

कार्यक्रम की विशेष बात यह रही कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 'बचत' संबंधी अपील को ध्यान में रखते हुए प्रदेश के उप मुख्यमंत्री अरुण साव तथा बिलासपुर रेंज के आईजी रामगोपाल गर्ग ने अनावश्यक खर्च से बचते हुए ऑनलाइन माध्यम से कार्यशाला में सहभागिता की।

कार्यशाला में मुंगेली के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक भोजराम पटेल, अपर कलेक्टर निष्ठा पाण्डेय तिवारी, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नवनीत कौर छाबड़ा, उप पुलिस अधीक्षक हरविंदर सिंह, बार काउंसिल के अध्यक्ष राजमन सिंह और वरिष्ठ अधिवक्ता रविंदर सिंह छाबड़ा सहित एवं कर्मचारी शामिल हुए।

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में
JITU'Z CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बैंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

GST NO. 22AHMPB9621P1Z2
PH.: 0788-4060131
अनुप ट्रेडर्स
आर्टिफिशियल ज्वेलरी के विक्रेता
लिंक रोड, कैम्प 2, पावर हाउस, भिलाई
मो. 09826389666, 8839749539

कृति सेनन ने सिनेमा की दुनिया में पूरे किए 12 साल, बयां की दिल की बात

बॉलीवुड की मशहूर अभिनेत्री कृति सेनन ने अभिनय की दुनिया में 12 साल पूरे कर लिए हैं। इस खास मौके पर कृति ने सोशल मीडिया के जरिए अपनी खुशी जाहिर की। कृति ने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर एक तस्वीर पोस्ट की, जिसमें उनके अब तक के करियर के सभी यादगार और मशहूर किरदारों का कोलाज शामिल है। अभिनेत्री ने खुशी जाहिर करते हुए लिखा, वाह! फिल्मों की इस जादुई दुनिया में कदम रखे हुए मुझे 12 साल हो गए हैं। कृति ने साल 2014 में आई फिल्म हीरोपंती से बॉलीवुड में कदम रखा था। इस फिल्म में उनके साथ अभिनेता टाइगर श्रॉफ ने भी अपने करियर की शुरुआत की थी। पहली ही फिल्म से कृति ने अपनी एक्टिंग से दर्शकों का दिल जीत लिया था। इसके बाद उन्होंने बरेली की बर्फी, लुका छुपी, दिलवाले, मिमी और क्रू जैसी कई सुपरहिट और बेहतरीन फिल्मों में काम किया।

फिल्म मिमी में सरोगेट मां के किरदार ने उनके करियर को नई ऊंचाई दी। इस भूमिका के लिए उन्हें सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री के राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार से भी नवाजा जा चुका है। अभिनेत्री ने अपने करियर में हर तरह के किरदार निभाए हैं। अभिनेत्री जल्द ही बहुचर्चित रोमांटिक-कॉमेडी फिल्म कॉकटेल 2 में नजर आएंगी। होमी अदजानिया के निर्देशन में बन रही इस फिल्म में कृति के साथ शाहिद कपूर और रश्मिका मंदाना भी मुख्य भूमिकाओं में हैं। फिल्म में कृत सेनन अपने अब तक के सबसे बोल्ड और ग्लैमरस अवतार में नजर आएंगी। ऐसी भी चर्चा है कि कृति और रश्मिका इस फिल्म में ग्रे शेड्स वाले किरदार निभाती दिख सकती हैं।

फिल्म की कहानी प्यार, दोस्ती और उलझे हुए रिश्तों के इर्द-गिर्द घूमती है। फिल्म का नया गाना माशूका पहले ही रिलीज हो चुका है, जिसमें शाहिद कपूर और कृति सेनन के बीच की शानदार केमिस्ट्री दर्शकों को काफी पसंद आ रही है। यह फिल्म 19 जून 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

शरवरी वाघ को बेहद पसंद आई पंजाब की संस्कृति

बोलीं- वहां के लोग बेहतरीन......

अभिनेत्री शरवरी वाघ अपनी अपकमिंग फिल्म को लेकर उत्साहित हैं। फिल्म के प्रमोशन में जुटीं शरवरी ने बताया कि उन्होंने किरदार को बेहतर तरीके से समझने के लिए अपनी मां के साथ पंजाब की यात्रा की थी। उन्हें पंजाब का कल्चर और वहां के लोग काफी पसंद आए। शरवरी ने कहा, मेरा बैकग्राउंड महाराष्ट्रीयन है। पंजाब की संस्कृति, वहां के लोगों और खाने को समझने के लिए मैं वहां जाना चाहती थी। इम्तियाज अली पंजाब के बारे में इतने प्यार से बात करते हैं कि मुझे लगा, मुझे खुद वहां जाकर सब कुछ महसूस करना चाहिए, वहां के बारे में समझना चाहिए।

उन्होंने आगे बताया, मैं इम्तियाज से पंजाब के बारे में सुनकर महसूस करती थी कि कहीं ना कहीं मुझमें कमी है, इसलिए मैं अपनी मां को साथ लेकर पंजाब चली गई। हम वहां घूमे-फिरे और पर्यटक वाली सारी चीजें कीं, खाना खाया, ऐतिहासिक जगहों पर गए और पार्टीशन म्यूजियम भी घूमे।

शरवरी ने कहा कि वे नई चीजों को हमेशा पहली बेंच पर बैठने वाले स्टूडेंट की तरह उत्साह से सीखती हैं। उन्होंने बताया, मुझे नोट्स बनाना, रिसर्च करना और नई चीजें जानना बहुत पसंद है। पंजाब जाने से पहले मैंने इम्तियाज से कहा भी था कि मुझे स्क्रिप्ट पढ़ने से पहले वहां जाना है।

अभिनेत्री ने पंजाब के लोगों की खूब तारीफ की। उन्होंने कहा, मैंने वहां सब कुछ बिना किसी रिसर्च प्रेशर के किया। बस इसलिए कि मुझे उस जगह से प्यार हो जाए और सच में मुझे पंजाब से प्यार हो गया। मुझे लगता है कि पंजाब के लोग दुनिया के सबसे अच्छे लोगों में शामिल हैं।

निर्देशक इम्तियाज अली की फिल्म 'मैं वापस आऊंगा' में शरवरी एक पंजाबी महिला का किरदार निभा रही हैं। फिल्म में उनके साथ वेदांग रैना भी अहम किरदार में हैं। 'मैं वापस आऊंगा' 12 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

बच्चों के दांतों की सफाई करते समय न करें ये 5 गलतियां, हो सकता है नुकसान

बच्चों की दांतों की सफाई करना एक जरूरी काम है, लेकिन कई बार माता-पिता कुछ ऐसी गलतियां कर बैठते हैं, जिनसे बच्चों के दांतों को नुकसान पहुंच सकता है। इन गलतियों में टूथब्रश का गलत चयन, ब्रश करने का तरीका, फ्लोराइड का अधिक उपयोग और बच्चों को खुद ब्रश करने देना शामिल है। आइए आज हम आपको इन गलतियों के बारे में विस्तार से बताते हैं ताकि आप इनसे बच सकें और आपके बच्चों के दांत स्वस्थ रहें।

सही टूथब्रश का चयन न करना

बच्चों के लिए सही टूथब्रश का चयन करना बहुत जरूरी है। अक्सर माता-पिता बड़े आकार के ब्रश का उपयोग करते हैं, जो बच्चों के छोटे मुंह के लिए सही नहीं होता। इसके बजाय छोटे सिर वाले मुलायम बालों वाले ब्रश का चयन करें ताकि वे आसानी से हर कोने तक पहुंच सकें और बच्चों के दांतों को अच्छे से साफकर सकें। इसके अलावा टूथब्रश की नोक को भी ध्यान में रखें।

टूथब्रश करने का तरीका

बच्चों को टूथब्रश करने का तरीका सिखाते समय भी सावधानी बरतनी चाहिए। कई बार माता-पिता जल्दी-जल्दी में बच्चों का ब्रश करा देते हैं या उन्हें खुद ब्रश करने देते हैं, जिससे वे सही तरीके से सफाई नहीं कर पाते। बच्चों को धीरे-धीरे और सही तरीके से ब्रश कराना चाहिए ताकि वे हर हिस्से तक पहुंच सकें और उनके सभी दांत साफ रहें। इसके अलावा बच्चों को ब्रश करते समय गुनगुनाने या कहानी सुनाने से भी मजा आता है।

फ्लोराइड का अधिक उपयोग

फ्लोराइड दांतों की सुरक्षा के लिए जरूरी होता है, लेकिन इसका अधिक उपयोग बच्चों के लिए हानिकारक हो सकता है। अधिक फ्लोराइड से बच्चों को फ्लोराइड से जुड़ी समस्याएं हो सकती हैं, जिससे दांतों में पीलापन आ सकता है या वे कमजोर हो सकते हैं। इसलिए हमेशा डॉक्टर की सलाह अनुसार ही फ्लोराइड का उपयोग करें और बच्चों को थोड़ी मात्रा में ही फ्लोराइड युक्त पेस्ट दें। इसके अलावा बच्चों को पानी से कुल्ला करने की आदत भी सिखाएं।

बिना निगले पानी से कुल्ला करना

बच्चों को ब्रश करने के बाद पानी से कुल्ला करना सिखाना बहुत जरूरी है ताकि उनका मुंह साफ रहे और बैक्टीरिया दूर रहें। हालांकि, कई बार माता-पिता यह गलती कर देते हैं कि वे बच्चों को पानी निगलवा देते हैं, जिससे उनके पेट पर बुरा असर पड़ सकता है। इसलिए हमेशा बच्चों को पानी निगलवाने से पहले उनका मुंह अच्छी तरह साफ कर लें और फिर उन्हें पानी पीने दें।

खुद ब्रश करने देना

बच्चों को खुद ब्रश करने देना अच्छा होता है, लेकिन अगर वे छोटे हों तो उन्हें खुद से ब्रश करने देना गलत हो सकता है। छोटे बच्चे सही तरीके से ब्रश नहीं कर पाते, जिससे उनके दांतों पर गंदगी रह जाती है। बेहतर होगा कि आप पहले खुद ब्रश करें और फिर उन्हें सिखाएं कि कैसे हर हिस्से तक पहुंचा जा सकता है। इसके बाद उन्हें खुद ब्रश करने दें ताकि वे सही तरीके से सफाई कर सकें।

अक्षय कुमार की साइंस-थ्रिलर फिल्म का नाम आया सामने, दिखेगी एलियन की दुनिया

कॉमेडी और एक्शन फिल्में करने के बाद अक्षय कुमार अब एक एलियन थ्रिलर ड्रामा फिल्म का हिस्सा बनेंगे। इस फिल्म का नाम भी सामने आ चुका है। अक्षय की इस फिल्म से एक हॉलीवुड दिग्गज भी जुड़ चुके हैं।

अक्षय कुमार पहली बार किसी एलियन ड्रामा फिल्म का हिस्सा बनने वाले हैं। उनकी इस फिल्म का नाम 'सामुक' बताया जा रहा है। एक हॉलीवुड दिग्गज भी इस फिल्म से जुड़े हैं, वह अक्षय कुमार की फिल्म में एक अहम जिम्मेदारी निभा रहे हैं।

हॉलीवुड लेवल की होगी अक्षय कुमार की फिल्म

एचटी सिटी की खबर के मुताबिक इस प्रोजेक्ट का नाम 'सामुक' है। फिल्म का निर्देशन कनिष्क वर्मा कर रहे हैं। अक्षय कुमार, विपुल अमृतलाल शाह और आशिम शाह इसके प्रोड्यूस हैं।

इस फिल्म में दर्शकों एलियन की डरावनी दुनिया देखने को मिलेगी। 'सामुक' से हॉलीवुड स्टंट कोऑर्डिनेटर ल्यूक टम्बर भी जुड़ चुके हैं, उन्होंने 'मिशन-इंपॉसिबल', 'वेनम' और 'प्रिडेटर' जैसी एलियन फिल्मों के लिए काम किया है।

फिल्म को लेकर ल्यूक टम्बर ने दी खास जानकारी

अक्षय कुमार के फिल्म प्रोजेक्ट से जुड़ने के बारे में बात करते हुए ल्यूक टम्बर ने कहा, 'यह प्रोजेक्ट फिल्म मेकिंग और असली एक्शन सिनेमा का एक रोमांचक मेल होगा। मुझे इस सोच को हकीकत बनाने का हिस्सा बनने पर गर्व है। हमारा लक्ष्य एक ऐसी फिल्म बनाना है जो दमदार कहानी के साथ-साथ बेहतरीन लाइव एक्शन सीन्स को भी पेश करे और जो दर्शकों के दिलों को छू जाए।'

ल्यूक टम्बर ने अक्षय कुमार की काफी तारीफ की। वह कहते हैं, 'वह भारत के एक्शन हीरो के तौर पर हर जगह पहचाने जाते हैं।'

अक्षय कुमार के करियर फ्रंट की बात करें तो पिछले दिनों उनकी एक हॉरर-कॉमेडी फिल्म 'भूत बंगला' रिलीज हुई। इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छा कलेक्शन किया है। जल्द ही वह फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' में भी नजर आएंगे। इस फिल्म में एक बड़ी स्टार कास्ट है, जिसमें दिशा पाटनी, जैकलीन, जॉनी लीवर, अरशद वारसी और सुनील शेट्टी जैसे स्टार्स शामिल हैं।

सीरियस रोल्स छोड़ कॉमेडी फिल्म करने पर मृणाल ठाकुर ने कही बड़ी बात

जमकर की डेविड धवन की तारीफ

एक्ट्रेस मृणाल ठाकुर जल्द ही 'है जवानी तो इश्क होना है' में जल्द नजर आने वाली हैं। अब हाल ही में उन्होंने कॉमेडी फिल्म करने पर कई बातों का खुलासा किया है।

मृणाल ठाकुर अब पहली बार डायरेक्टर डेविड धवन की कॉमेडी दुनिया का हिस्सा बनने जा रही हैं। उनकी नई फिल्म 'है जवानी तो इश्क होना है' एक फुल ऑन रोमांटिक-कॉमेडी एंटरटेनर है, जिसमें मृणाल का बिल्कुल अलग अंदाज देखने को मिलेगा।

कॉमेडी से भरी कहानी में नजर आएंगी मृणाल

अब तक मृणाल को ज्यादातर सीरियस, इमोशनल और थ्रिलर फिल्मों में देखा गया है। लेकिन इस बार वो कॉमेडी और मस्ती से भरी कहानी में नजर आएंगी।

फिल्म के ट्रेलर लॉन्च के दौरान मृणाल ने बताया कि अगर उन्हें कॉमेडी जॉनर में कदम रखना था, तो वो सिर्फ डेविड धवन की फिल्म से ही करना चाहती थीं।

तीन फिल्मों के लिए मुझे साइन कर लीजिए

मृणाल ने मजाकिया अंदाज में कहा, 'डेविड सर, काश मैं आपसे अपने करियर में बहुत पहले मिली होती। तब शायद मुझे आपके साथ और भी ज्यादा फिल्में करने का मौका मिलता। मेरे मन में तो यही चल रहा था कि सर कम से कम तीन फिल्मों के लिए मुझे साइन कर लीजिए।'

एक्ट्रेस ने यह भी कहा कि इस फिल्म में काम करने के बाद उनकी कॉमिक टाइमिंग पहले से काफी बेहतर हो गई है। उन्होंने इस अनुभव को अपने करियर के लिए बेहद खास बताया।

'है जवानी तो इश्क होना है' के बारे में

फिल्म 'है जवानी तो इश्क होना है' में वरुण धवन, पूजा हेगड़े, मृणाल ठाकुर और मनीष कॉल पहली बार साथ नजर आने वाले हैं। फिल्म को एक मजेदार फैमिली एंटरटेनर बताया जा रहा है। डेविड धवन के निर्देशन में बनी ये फिल्म 5 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

श्रेयस तलपड़े-काजल अग्रवाल की फिल्म द इंडिया स्टोरी का ऐलान, रिलीज तारीख जारी

बॉलीवुड में सामाजिक विषयों पर आधारित कई फिल्में बन चुकी हैं। अब एक और रोमांचक, सामाजिक और राष्ट्रीय ड्रामा पर आधारित फिल्म द इंडिया स्टोरी का ऐलान किया गया है। इसमें श्रेयस तलपड़े और काजल अग्रवाल की नई जोड़ी पहली बार एक-दूसरे के साथ दिखाई देगी। चेट्टन डीके द्वारा निर्देशित और सागर बी शिंदे द्वारा निर्मित और लिखित यह फिल्म एक गंभीर मुद्दे को दिखाने का वादा करती है, जिसकी गूंज राष्ट्रीय स्तर पर है।

फिल्म के पोस्टर में बॉम्बे हाई कोर्ट, और उसके बाहर एक कटघरे में खड़े गैस सिलेंडर का दृश्य प्रस्तुत गया है। निर्माता इस फिल्म के जरिए रसायनों के दुरुपयोग, कीटनाशक खेती और सार्वजनिक स्वास्थ्य पर इसके भयावह प्रभाव जैसे गंभीर मुद्दे को जनता के सामने पेश करेंगे। हालांकि अन्य कास्टिंग के बारे में जानकारी अभी सामने नहीं आई है। द इंडिया स्टोरी 24 जुलाई, 2026 को हिंदी, तेलुगु और तमिल भाषा के साथ सिनेमाघरों का रुख करेगी।

गौरतलब है कि अपने विविध किरदारों के लिए पहचानी जानेवाली काजल अग्रवाल और बहुमुखी प्रतिभा के धनी श्रेयस तलपदे, इस फिल्म के ज़रिए पहली बार स्क्रीन शेयर करते नजर आएंगे। उनकी जोड़ी इस कहानी में भावनात्मक गहराई जोडऩे वाली है।

इसके अलावा आज के दौर में जहां दर्शक कंटेंट-ड्रिवन सिनेमा की ओर आकर्षित हो रहे हैं, वहीं 'द इंडिया स्टोरी' खुद को एक प्रासंगिक और प्रभावशाली फिल्म के रूप में पेश करती है। अपने मजबूत संदेश और दिलचस्प कहानी के साथ-साथ दर्शकों के बीच चर्चा का विषय बन चुकी यह फिल्म एक प्रभावशाली सिनेमाई अनुभव देने के लिए पूरी तरह तैयार है।

खास खबर

रायगढ़ में 100 जवानों ने सीखी सीपीआर की जीवन रक्षक तकनीक

रायगढ़। सड़क हादसा हो, हार्ट अटैक हो या अचानक सांसें थम जाएं, अब रायगढ़ पुलिस सिर्फ कानून नहीं संभालेगी बल्कि मौके पर जिंदगी बचाने की पहली उम्मीद भी बनेगी, मेडिकल कॉलेज रायगढ़ में आयोजित विशेष सीपीआर प्रशिक्षण कार्यक्रम में लगभग 100 पुलिसकर्मियों को ऐसी जीवनरक्षक तकनीक सिखाई गई जिससे आपात स्थिति में किसी भी व्यक्ति की धड़कन दोबारा चालू करने तक की कोशिश की जा सके। स्वर्गीय श्री लखीराम अग्रवाल स्मृति शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय के तत्वावधान में ऑल इंडियन मेडिकल एसोसिएशन रायगढ़ द्वारा आयोजित इस एकदिवसीय प्रशिक्षण में डॉक्टरों की टीम ने पुलिस जवानों को कार्डियो पल्मोनरी रिससिटेशन यानी सीपीआर देने की पूरी प्रक्रिया प्रायोगिक तरीके से समझाई। कार्यक्रम में डॉ. गजेंद्र ने पावरपॉइंट प्रेजेंटेशन और वीडियो डेमो के जरिए बताया कि दुर्घटना, आगजनी, बाढ़ या किसी भी आपदा के दौरान यदि किसी व्यक्ति का ब्लड सर्कुलेशन रुक जाए, वह बेहोश हो जाए और प्रतिक्रिया देना बंद कर दे तो सही तरीके से दिया गया सीपीआर उसकी जान बचा सकता है। पुलिसकर्मियों को सिखाया गया कि सबसे पहले पीड़ित को सुरक्षित स्थान पर ले जाएं, उसकी प्रतिक्रिया जांचें और तुरंत 108 व 112 पर कॉल करें।

मिलकर काम करें, शहर को स्वच्छ, सुंदर और व्यवस्थित बनाएं - शंगीता आर.

रायपुर। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग की सचिव शंगीता आर. ने बिलासपुर पहुंचकर बिलासपुर नगर निगम के कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने नगर निगम द्वारा किए जा रहे विभिन्न कार्यों का निरीक्षण भी किया। उन्होंने मैदानी स्तर पर योजनाओं का क्रियान्वयन भी देखा। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग की सचिव शंगीता आर. ने तारबाहर स्थित कमांड एंड कंट्रोल सेंटर में बिलासपुर नगर निगम के कार्यों की समीक्षा करते हुए कहा कि राजस्व किसी भी निकाय की आधारशिला है। इसे प्राथमिकता में रखें और शत शत-प्रतिशत वसूली करें। उन्होंने पिछले वित्तीय वर्ष 2025-26 की बकाया राशि 15 करोड़ रुपए की वसूली के लिए उन्होंने दिसम्बर 2026 तक डेडलाइन दिया। उन्होंने कहा कि नियमित और प्लेसमेंट समेत सभी कर्मचारियों का वेतन किसी भी सूरत में माह के प्रथम सप्ताह में हो जाना चाहिए। विभागीय सचिव शंगीता आर. ने बैठक में कहा कि टेंडर प्रक्रिया में अनावश्यक देरी न हों और टेंडर जारी करने के बाद मियाद खत्म होते ही ठेका पाने वाले ठेकेदार से अनुबंध कर शीघ्र कार्य प्रारंभ कराएं, ताकि प्रोजेक्ट में देरी न हो। उन्होंने सचिव टेंडर में लगने वाले अत्यधिक समय समेत अन्य पहलुओं का विश्लेषण कर प्रक्रिया को तेज गति से करने के लिए योजना तैयार करने को कहा। उन्होंने निर्माणाधीन तथा अधूरे कार्यों को समय-सीमा के भीतर गुणवत्ता के साथ पूरा करने के निर्देश अधिकारियों को दिए ताकि उसका लाभ नागरिकों को मिल सकें। सचिव शंगीता आर. ने पीएम ई-बस सेवा के तहत मिलने वाले बसों के शीघ्र पहुंचने की उम्मीद जताई।

जशपुर में विकास कार्यों की समीक्षाः लोकार्पण-शिलान्यास के बाद शिलापट्ट नहीं लगा, तो होगी कड़ी कार्रवाई- वित्त मंत्री चौधरी

महिलाओं के लिए महतारी शक्ति ऋण योजना और किसानों को केला, लीची व मत्स्य पालन के लिए प्रोत्साहित करने की रणनीति

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। वित्त मंत्री एवं जशपुर जिले के प्रभारी मंत्री ओपी चौधरी ने कड़े लहजे में अधिकारियों से कहा कि जशपुर मुख्यमंत्री का गृह जिला है, इसलिए सभी अधिकारी अपने दायित्वों का गंभीरता से निर्वहन करते हुए निर्माण कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करना सुनिश्चित करें। प्रभारी मंत्री चौधरी ने आज जशपुर जिला पंचायत सभाकक्ष में जिला स्तरीय अधिकारियों की उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक ली। इस दौरान उन्होंने विभिन्न विभागीय योजनाओं और जारी विकास कार्यों की विस्तार से समीक्षा की।

प्रभारी मंत्री चौधरी ने कहा कि पिछले दस वर्षों की तुलना में वर्तमान सरकार द्वारा जशपुर जिले में रिकॉर्ड संख्या में विकास कार्य स्वीकृत किए गए हैं। उन्होंने अधिकारियों को कड़े निर्देश देते हुए कहा कि जिन विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन हो चुका है, उनके शिलापट्ट संबंधित गांवों में स्थानीय जनप्रतिनिधियों की गरिमामय उपस्थिति में अनिवार्य रूप से स्थापित किए जाएं। शिलापट्ट लगाने की पूरी जिम्मेदारी संबंधित विभागीय अधिकारियों की होगी। यदि कहीं भी यह शिकायत मिलती है कि शिलापट्ट उपेक्षित पड़ा है या स्थापित नहीं किया गया है, तो जिम्मेदार अधिकारी के विरुद्ध तत्काल कड़ी दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

महिला सशक्तिकरण और आत्मनिर्भर खेती पर विशेष ध्यान

वित्त मंत्री ने ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए दो प्रमुख वर्गों पर ध्यान केंद्रित करने को कहा कि महिला सशक्तिकरण के लिए महतारी वंदन योजना के तहत मिल रही एक हजार रूपए की मासिक सहायता का उपयोग महिलाएं बच्चों के भविष्य के लिए, समृद्धि सुकन्या योजना जैसी बचत योजनाओं में करें। इसके अलावा स्वरोजगार के लिए महतारी शक्ति ऋण योजना के अंतर्गत कम ब्याज दर पर 25 हजार रूपए तक का ऋण त्वरित उपलब्ध कराया जाए। पारंपरिक खेती से हटकर किसानों को अधिक मुनाफे वाले फलोत्पादन (विशेषकर केला और लीची की खेती) तथा आधुनिक मत्स्य पालन के लिए प्रोत्साहित किया जाए। साथ ही कृषि विभाग खरीफ सीजन के लिए समितियों में पर्याप्त खाद-बीज की उपलब्धता सुनिश्चित करे।

जिले की प्रमुख विकास परियोजनाओं की प्रगति

बैठक में कलेक्टर रोहित व्यास ने जिले में चल रहे महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट्स की अद्यतन स्थिति साझा की। उन्होंने बताया कि मेडिकल कॉलेज, शासकीय नर्सिंग कॉलेज, शासकीय प्राकृतिक चिकित्सा केंद्र, क्रिटिकल केयर सेंटर और अखिल भारतीय कल्याण आश्रम द्वारा संचालित अस्पताल का निर्माण तेजी से जारी है। सन्ना विकासखंड के ग्राम पंडरापाठ में विशेष पिछड़ी जनजाति पहाड़ी कोरवा बच्चों के लिए विशेष तीरंदाजी केंद्र का निर्माण शुरू हो चुका है। इसके अतिरिक्त कुनकुरी और जशपुर में नालंदा परिसर तथा सलियाटोली में एडवेंचर स्पोर्ट्स परियोजना पर कार्य चल रहा है।

जशपुर के किसान खेती में बना रहे हैं अलग पहचान

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। जशपुर हमेशा फसल विविधताओं के लिए जाना जाता रहा है। यहां के किसान परंपरागत फसलों के साथ उद्यानकी और नकद फसलों पर भी जोर दे रहे हैं। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय जशपुर में उद्यानिकी फसलों के लिए अनुकूल वातावरण को देखते हुए किसानों को उद्यानिकी और नगद फसलों के लिए लगातार प्रोत्साहित कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री साय के निर्देश पर स्थानीय जिला प्रशासन, नाबार्ड और उद्यानिकी विभाग द्वारा इस दिशा में विशेष प्रयास किया जा रहा है। किसानों को उद्यानिकी फसलों के लिए विशेष प्रशिक्षण और तकनीकी मार्गदर्शन उपलब्ध कराया जा रहा है। इन समन्वित प्रयासों से पिछले दो-ढाई सालों में यहाँ के किसान परंपरागत फसलों के स्थान पर उद्यानिकी एवं नगदी फसलों में रुचि लेने लगे हैं। जशपुर के किसान अब चाय, लीची, स्ट्राबेरी, नाशपाती के साथ सेब के बगान भी तैयार कर रहे हैं।

जिला प्रशासन, उद्यानिकी विभाग, रूरल एजुकेशन एंड डेवलपमेंट सोसाइटी व नाबार्ड के समन्वित प्रयासों से जशपुर ने फलोत्पादन व बागवानी में नई पहचान बनाई है। इन पहलों से स्थानीय किसानों की आय सुदृढ़ हुई है। कृषि-आधारित अर्थव्यवस्था को मजबूती मिली है। जशपुर में सेब उत्पादन वर्ष 2023 में आरंभ हुआ। सेब खेती अब लगभग 410 एकड़ में विस्तारित है, जिसमें लगभग 410 किसान सेब की खेती कर रहे हैं। जिले के मनोर व बगीचा विकासखंड तथा शैला, छतौरी, करदना व छिछली जैसे पंचायतों में लगाए गए सेब के वृक्षों ने इस वर्ष उत्कृष्ट गुणवत्ता व आकार के फल दिए हैं। । स्थानीय किसान बताते हैं कि जशपुर के सेब स्वाद और गुणवत्ता के लिहाज से कश्मीर व हिमाचल के सेबों के समकक्ष हैं। रूरल डेव्हलपमेंट एंड डेव्हलपमेंट सोसायटी के अध्यक्ष श्री राजेश गुप्ता ने बताया कि जशपुर जिले के 410 किसानों ने अपने 1-1 एकड़ जमीन पर सेब की खेती कर रहे हैं।

इसी तरह जिले में नाशपाती के बाग लगभग 3,500 एकड़ में फैले हुए हैं, जहाँ 3,500 से अधिक किसान नाशपाती की खेती कर रहे हैं। जिले के सन्ना, पंडरापाठ, कंवई, महुआ, सोनक्यारी, मनोरा, धवईपाई, गीधा आदि लाखों में नाशपाती की खेती हो रही है।

यहीं से नाशपाती पैक कर दिल्ली, उत्तरप्रदेश और उड़ीसा सहित दूसरे राज्यों में भेजी जाती है। नाशपाती का वार्षिक उत्पादन लगभग 1,75,000 क्विंटल तक पहुँच चुका है। किसानों को नाशपाती से प्रति एकड़ वार्षिक आमदनी लगभग एक से डेढ़ लाख रुपये मिल रहा है। उद्यान विभाग के अधिकारियों के अनुसार राष्ट्रीय बागवानी मिशन के अंतर्गत प्रशिक्षण, तकनीकी सहयोग और बाजार पहुँच जैसी योजनाएँ हैं, जिनसे किसान आत्मनिर्भर बने हैं और नई फसल विविधिकरण के माध्यम से आर्थिक सशक्तिकरण प्राप्त कर रहे हैं।

जशपुर में चाय की खेती पहले से होती आ रही है और यहां की चाय पत्ती की गुणवत्ता अच्छी है। अब जशपुर में सेब व नाशपाती उत्पादन के सफल विकास से जशपुर न केवल नए बाजारों के रूप में स्थापित हुआ है बल्कि स्थानीय किसानों के जीवन स्तर में भी उल्लेखनीय सुधार आया है। भविष्य में इन फसलों का दायरा और विस्तारित करने की योजना है।

धार्मिक विरासत के संरक्षण और विकास के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध- राजेश अग्रवाल

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार प्रदेश की धार्मिक एवं सांस्कृतिक धरोहरों के संरक्षण और संवर्धन के लिए निरंतर कार्य कर रही है। इसी कड़ी में पर्यटन, संस्कृति, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व मंत्री तथा अंबिकापुर विधायक राजेश अग्रवाल ने सरगुजा जिले के उदयपुर विकासखंड के अंतर्गत ग्राम लक्ष्मणगढ़, शंकरपुर, कुमदेवा एवं सायर में विभिन्न मंदिरों के जीर्णोद्धार कार्यों का विधिवत भूमिपूजन किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु, ग्रामीण और जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। वैदिक मंत्रोच्चार, पूजा-अर्चना और हर-हर महादेव के जयघोष के साथ संपन्न हुए इन कार्यक्रमों के दौरान पूरे क्षेत्र में भक्ति और उत्साह का माहौल देखा गया।

ग्राम लक्ष्मणगढ़ में सुआहारिन मंदिर, ग्राम शंकरपुर एवं कुमदेवा में शिव मंदिर तथा ग्राम सायर में मंदिर जीर्णोद्धार कार्यों के शुभारंभ अवसर पर मंत्री राजेश अग्रवाल ने क्षेत्रवासियों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि मंदिर हमारी सनातन संस्कृति, आस्था और सामाजिक एकता के महत्वपूर्ण केंद्र हैं। ऐसे धार्मिक कार्य समाज में श्रद्धा, आध्यात्मिक चेतना और सांस्कृतिक मूल्यों को और अधिक मजबूत करने का काम करते हैं।

मंत्री अग्रवाल ने रेखांकित किया कि राज्य सरकार प्रदेश की धार्मिक विरासत को सहेजने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। मंदिरों के जीर्णोद्धार और विकास से न केवल श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी, बल्कि क्षेत्र में धार्मिक पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा। इससे स्थानीय स्तर पर विकास की गति तेज होगी।

हाइवे पर उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने किया नेक्स्ट जेन डायल-112 सेवा का किया औचक परीक्षण

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। रायपुर से कवर्धा जाते समय उप मुख्यमंत्री एवं गृह मंत्री विजय शर्मा ने बेमेतरा के पास हाईवे में रुककर डायल-112 नेक्स्ट जेन सेवा की कार्यप्रणाली का औचक परीक्षण किया। सेवा की त्वरित प्रतिक्रिया क्षमता और रिस्पॉन्स टाइम को परखने के लिए उन्होंने स्वयं डायल-112 पर कॉल कर मारपीट और सड़क दुर्घटना का पीड़ित बनकर शिकायत दर्ज कराई।

शिकायत दर्ज कराने के बाद वे नजदीक स्थित ढाबा के पास रुककर पुलिस वाहन के पहुंचने का इंतजार करते रहे। निर्धारित समय में डायल-112 की टीम मौके पर पहुंची, जिसके बाद उप मुख्यमंत्री ने वाहन एवं उससे जुड़ी सभी व्यवस्थाओं का बारीकी से निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने वाहन में उपलब्ध तकनीकी सुविधाओं, संचार व्यवस्था, रिस्पांस सिस्टम तथा आपातकालीन परिस्थितियों में पुलिस की कार्यप्रणाली की जानकारी अधिकारियों से ली। उन्होंने मौके पर मौजूद अधिकारियों को आम नागरिकों को त्वरित एवं प्रभावी सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए।

फॉरेंसिक मोबाइल वाहन की शुरुआत, घटनास्थल पर होगी त्वरित वैज्ञानिक जांच

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। बलरामपुर जिले में अपराध जांच व्यवस्था को आधुनिक और तकनीक आधारित बनाने की दिशा में सीन ऑफ क्राइम फॉरेंसिक मोबाइल वाहन का शुभारंभ किया गया। पुलिस लाइन बलरामपुर में आयोजित कार्यक्रम में सरगुजा सांसद चिंतामणि महाराज वर्चुअल रूप से शामिल हुए। कलेक्टर चंदन संजय त्रिपाठी, पुलिस अधीक्षक वैभव बेंकर एवं वनमंडलाधिकारी आलोक कुमार बाजपेयी ने वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

यह अत्याधुनिक फॉरेंसिक वाहन भारत सरकार एवं छत्तीसगढ़ शासन गृह (पुलिस) विभाग द्वारा उपलब्ध कराया गया है। वाहन में फिंगरप्रिंट डेवलपमेंट, डिजिटल डेटा अधिग्रहण, नारकोटिक्स परीक्षण, प्राथमिक वैज्ञानिक जांच तथा साक्ष्य संरक्षण से जुड़ी आधुनिक फॉरेंसिक किट उपलब्ध हैं, जिनके माध्यम से घटनास्थल पर ही त्वरित जांच और साक्ष्य संकलन किया जा सकेगा। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सांसद चिंतामणि महाराज ने कहा कि यह पहल जिले में अपराध जांच को अधिक पारदर्शी और प्रभावी बनाने में मददगार साबित होगी। कलेक्टर त्रिपाठी ने इसे जिले के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि बताते हुए कहा कि तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर अब जांच प्रक्रिया और मजबूत होगी।

पुलिस अधीक्षक वैभव बेंकर ने बताया कि पहले कई मामलों में फॉरेंसिक टीम को सरगुजा से बुलाना पड़ता था, जिससे समय लगता था और साक्ष्य प्रभावित होने की आशंका रहती थी।

मोबाइल फॉरेंसिक लैब के माध्यम से घटनास्थल पर ही जांच और साक्ष्य संकलन तेजी से किया जा सकेगा। उन्होंने बताया कि वाहन में 14 आधुनिक फॉरेंसिक किट उपलब्ध हैं तथा संबंधित अधिकारियों-कर्मचारियों को इसके संचालन का प्रशिक्षण भी दिया जाएगा।

अधिकारियों को लक्ष्य के अनुरूप समय-सीमा में योजनाएं पूर्ण करने के निर्देश

जल जीवन मिशन : 8555 योजनाओं का ग्राम पंचायतों द्वारा संचालन

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। उप मुख्यमंत्री तथा लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री अरुण साव ने लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने मंत्रालय में वरिष्ठ विभागीय अधिकारियों तथा मैदानी अधिकारियों की बैठक लेकर जल जीवन मिशन के कार्यों, नक्सल प्रभावित रहे क्षेत्रों की पेयजल योजनाओं एवं प्रदेश में ग्रीष्म काल में पेयजल व्यवस्था की समीक्षा की।

राज्य के सभी जिलों के अधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से बैठक में शामिल हुए। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के सचिव तथा जल जीवन मिशन के संचालक मोहम्मद कैसर अब्दुलहक और प्रमुख अभियंता के.के. मरकाम भी बैठक में मौजूद थे।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने जल जीवन मिशन के कार्यों को प्राथमिकता से पूर्ण करने आगामी दो वर्षों के रोडमैप पर चर्चा करते हुए अधिकारियों को मिशन के शेष कार्यों को गंभीरता, सक्रियता और तेजी से पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मैदानी स्तर पर काम की गति और पूर्णता से ही केंद्र सरकार एवं राज्य सरकार द्वारा कार्यों के लिए राशि जारी की जाएगी। जल जीवन मिशन के शेष कार्यों को और ज्यादा फोकस एवं बारीकी से करना है। उन्होंने कहा की वर्तमान समय में पेयजल आपूर्ति अधिकांशतः शासकीय व्यवस्था पर ही आश्रित है। जल आपूर्ति की अपर्याप्त व्यवस्था या इसमें किसी तरह की बाधा आने पर लोगों को बड़ी परेशानी का सामना करना पड़ता है। इसके लिए विभाग को दूरदृष्टि एवं पूर्वानुमान के साथ काम करने की जरूरत है।

उप मुख्यमंत्री साव ने बैठक में हर गांव की पेयजल व्यवस्था की समय-समय पर जांच करने और किसी तरह की दिक्कत होने पर तत्काल समाधान करने के निर्देश दिए। उन्होंने जहां-जहां जल जीवन मिशन के काम पूरे हो गए हैं, वहां हर घर जल का सत्यापन कराकर योजनाओं के संचालन-संधारण की जिम्मेदारी ग्राम पंचायत को सौंपने को कहा। उन्होंने विभाग के सभी मुख्य अभियंताओं और अधीक्षण अभियंताओं को कलेक्टरों से चर्चा कर प्रत्येक योजना की प्रगति पर कड़ी नजर रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कार्यपालन अभियंताओं के कार्यों में सक्रिय सहयोग कर योजनाओं को समय-सीमा में पूर्ण कराना सुनिश्चित करने को कहा। उप मुख्यमंत्री ने ग्रीष्म काल में प्रदेश की पेयजल व्यवस्था की समीक्षा करते हुए खराब हैंडपंपों की तत्काल मरम्मत करने और जलस्तर के नीचे चले जाने के कारण सूख चुके हैंडपंपों में राइजर पाइप बढ़ाकर जलापूर्ति दुरूस्त करने के निर्देश दिए। उन्होंने जरूरत पड़ने पर तत्परता से नया ट्यूबवेल भी खोदने को कहा। श्री साव ने आगामी वर्षा ऋतु को देखते हुए जलजनित रोगों से बचाव के लिए भी पूरी तैयारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने इसके लिए गंदे पानी की आपूर्ति रोकने, नालियों से गुजरने वाले पाइपलाइनों को बदलने तथा जल की गुणवत्ता का नियमित परीक्षण करने को कहा।

निःशुल्क नेत्र शिविर का सफल आयोजन

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। फाफाडीह स्थित पीली बिल्डिंग के पीछे सई सुतार भवन में रविवार दिनांक 24/05/2026 को सई सुतार महिला मंडल एवं सभी सदस्यगण द्वारा निशुल्क नेत्र शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में मेकाहारा अस्पताल के आई डिपार्टमेंट के विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम द्वारा लोगों की आंखों की जांच एवं निःशुल्क दवा वितरण किया गया। शिविर में विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम में डॉ. सचदेवा, डॉ. संजय शर्मा, डॉ. साक्षी, डॉ. स्वाति शर्मा, डॉ. निहारिका, डॉ. प्रवीण शर्मा एवं डॉ. प्रकाश राठौड़ शामिल रहे। सभी डॉक्टरों ने मरीजों की जांच कर उचित परामर्श एवं दवाइयां प्रदान कीं।

इस कार्यक्रम में लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और शिविर का लाभ उठाया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रायपुर नगर निगम सभापति सूर्यकांत राठौर जी रहे। कार्यक्रम में महिला मंडल अध्यक्ष हेमलता परमार, श्रीमती जसवंती बेन पीथालिया, डॉ. अंजना पीथालिया, बिजल पीथालिया, ममता पिथालिया, सुशीला पिथालिया, दिव्या राठौर, रश्मि पिथालिया, मेघा पिथालिया, गीता परमार एवं समाज के सभी सदस्यगण उपस्थित रहे।

सभी अतिथियों एवं समाजजनों ने इस जनसेवा कार्य की सराहना करते हुए भविष्य में भी ऐसे सामाजिक कार्यक्रम आयोजित करने की बात कही।

चौहान ऑटो : पुलिस के आते ही उग्र हुई महिला मारी लात, जड़ दिया तमाचा

करता था अश्लील मैसेज, महिला के बुलाने पर ही तफ्तीश के लिए पहुंची थी पुलिस

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नेहरू नगर बाईपास स्थित चौहान ऑटोमोबाइल मारुति सुजुकी शोरूम में महिला कर्मचारी ने सीईओ को थप्पड़ जड़ दिया। महिला कर्मचारी ने सीईओ अंकित आनंद के खिलाफ अश्लील मैसेज भेजने व छेड़छाड़ का करने का आरोप लगाया। इस घटना का एक वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें महिला कर्मचारी सीईओ पर स्याही फेंकते दिख रही है और पुलिस कर्मी की मौजूदगी में उसे थप्पड़ जड़ते दिख रही है। इस दौरान पुलिस कर्मी महिलरा कर्मचारी को रोकने की कोशिश करता दिख रहा है। फिलहाल इस मामले में पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

मिली जानकारी के अनुसार यह वीडियो चौहान आटोमोबाइल मारूति सुजुकी शोरूम का बताया जा रहा है। महिला कर्मचारी का आरोप है कि सीईओ उसे अश्लील मैसेज करता है और गलत हरकते करता है। इस मामले में महिला कर्मचारी ने पहले ही शिकायत दर्ज करा चुकी थी। बताया जा रहा है महिला की शिकायत पर जांच के लिए सीईओ को पुलिस शोरूम लेकर पहुंची थी। जैसे ही पुलिस के साथ सीईओ अंकित आनंद शोरूम में पहुंचे तो महिला कर्मचारी ने स्याही फेंक दी और पुलिस के सामने ही अपना हाथ साफ किया। इस दौरान उसने लात मारने की कोशिश भी की। पुलिस ने बीच बचाव किया।

जब महिला कर्मचारी यह सब कर रही थी तो शोरूम में मौजूद किसी भी कर्मचारी ने दखल नहीं दिया। बताया यह भी जा रहा है कि शोरूम की अन्य महिला कर्मचारी भी सीईओ की हरकतों से परेशान हैं।

इस पूरी घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। इस मामले में पुलिस ने बताया कि सीईओ के खिलाफ छेड़छाड़ समेत अन्य धाराओं में केस दर्ज किया गया है। फिलहाल मामले की जांच की जा रही है।

क्रोकोडायल पार्क के पीछे नहर किनारे मिला मजदूर का शव, शराब से भरा थैला बरामद

श्रीकंचनपथ न्यूज

जांजगीर-चांपा। जिले के कोटमीसोनार क्षेत्र में उस समय हड़कंप मच गया, जब क्रोकोडायल पार्क के पीछे नहर किनारे एक युवक का शव संदिग्ध हालत में मिला।

मृतक की पहचान ठडगा बहरा निवासी 35 वर्षीय लक्ष्मी नारायण ओगरे के रूप में हुई है। प्रारंभिक जांच में पुलिस गर्मी और अत्यधिक शराब सेवन को मौत की संभावित वजह मान रही है, हालांकि असली कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही सामने आएगा।

ग्रामीणों की सूचना पर कोटमीसोनार पुलिस सहायता केंद्र की टीम मौके पर पहुंची। जांच के दौरान शव के पास से महुआ शराब से भरा एक थैला भी बरामद किया गया। पुलिस ने आसपास के लोगों से पूछताछ कर मृतक की पहचान की और परिजनों को सूचना दी। मृतक की मां ने पुलिस को बताया कि लक्ष्मी नारायण दो दिन पहले बिलासपुर जाने की बात कहकर घर से निकला था, लेकिन वापस नहीं लौटा। वह मजदूरी कर अपने परिवार का पालन-पोषण करता था और उसके दो छोटे बच्चे हैं। अचानक हुई मौत से परिवार में मातम पसरा हुआ है।

पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। अधिकारियों का कहना है कि मामले की हर पहलू से जांच की जा रही है। फिलहाल पुलिस रिपोर्ट का इंतजार कर रही है, जिसके बाद मौत की वास्तविक वजह स्पष्ट हो सकेगी।

खास खबर

नाबालिग को भगाकर हवस पूरी करने वाला आरोपी गिरफ्तार

बिलासपुर। प्रेमजाल में फंसाकर नाबालिग को घर से भगाने और शादी का झांसा देकर शारीरिक शोषण करने वाले आरोपी को बिल्हा पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। बिलासपुर जिले के थाना बिल्हा क्षेत्र में सामने आया है। प्रार्थी ने 23 मई 2026 को थाना बिल्हा पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई कि उसकी नाबालिग बेटी 22 मई को बिना बताए घर से कहीं चली गई थी। अगले दिन डायल-112 से सूचना मिलने पर युवती को थाना बिल्हा लाया गया। पूछताछ में पीड़िता ने खुलासा किया कि बिल्हा निवासी आरोपी दीपक दास मानिकपुरी पिता शिवशंकर मानिकपुरी उम्र 24 वर्ष, निवासी बिल्हा, स्थायी पता रोडपारा आमगांव थाना पचपेड़ी जिला बिलासपुर, उसे ग्राम बरतोरी से बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया और शादी का झांसा देकर शारीरिक संबंध बनाया। मामले की गंभीरता को देखते हुए थाना बिल्हा में अपराध क्रमांक 275/2026 धारा 137(2), 64(1), 65(1) भारतीय न्याय संहिता एवं 4, 6 पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया। थाना प्रभारी ने तत्काल वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराया, जिसके बाद अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मधुलिका सिंह और नगर पुलिस अधीक्षक चकरभाठा डी.आर. टंडन के मार्गदर्शन में पुलिस टीम ने आरोपी की तलाश शुरू की। पुलिस ने आरोपी दीपक दास मानिकपुरी को पकड़कर पूछताछ की, जहां उसने अपराध करना स्वीकार किया। इसके बाद आरोपी को विधिवत गिरफ्तार कर 24 मई 2026 को न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया।

कोरबा में शराबी ड्राइवरों सहित 104 पर कार्रवाई

कोरबा। पुलिस ने ऐसा शिकंजा कसा कि पूरे जिले में हड़कंप मच गया। सजग कोरबा सतर्क कोरबा अभियान के तहत एक ही दिन में 104 वाहन चालकों पर ताबड़तोड़ कार्रवाई करते हुए ?53,400 का समंस शुल्क वसूला गया, जबकि शराब पीकर वाहन चला रहे 19 चालकों पर मोटर व्हीकल एक्ट की धारा 185 के तहत सख्त वैधानिक कार्रवाई की गई। अभियान के दौरान बिना हेलमेट, बिना सीट बेल्ट, गलत दिशा में वाहन चलाने, तेज रफ्तार, मोबाइल पर बात करते हुए ड्राइविंग, ओवरलोडिंग और दस्तावेज विहीन वाहनों पर विशेष निगरानी रखी गई। पुलिस ने शराब के नशे में वाहन चला रहे 19 चालकों को मौके पर पकड़कर कार्रवाई की। कोरबा पुलिस लगातार सड़क दुर्घटनाओं को रोकने और सुरक्षित यातायात व्यवस्था कायम करने के लिए अभियान चला रही है।

भिलाई में 24 घंटे के भीतर लूट की दो वारदातें

भिलाई। बीजापुर जिले के टेकमेटला निवासी धर्मेंद्र गटपल्ली (21) अपनी बहन ज्योति को परीक्षा दिलाने 23 मई की सुबह भिलाई पहुंचे थे। उनकी बहन की परीक्षा रूंगटा कॉलेज में थी। दोनों सुबह करीब 3:30 बजे घड़ी चौक, सुपेला पहुंचे। बस से उतरने के बाद धर्मेंद्र पास की दुकान से साबुन खरीदने जा रहा था। काले रंग की पल्सर बाइक और स्कूटी में सवार तीन युवक वहां पहुंचे। तीनों बदमाशों ने धर्मेंद्र को रोककर चाकू दिखाते हुए पैसे मांगे। डर के कारण उसने जेब में रखे 300 रुपए उन्हें दे दिए। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की मदद से आरोपियों की तलाश कर रही है। दूसरी घटना वैशाली नगर थाना क्षेत्र में सामने आई। जवाहर नगर निवासी उमेश सिंह परमार (45) ने पुलिस को बताया कि वह सिविक सेंटर में काम करता है। रात काम खत्म करने के बाद वह अपनी स्कूटी क्रमांक सीजी 07 सीपी 4157 से घर लौट रहा था। तभी पीछे से बाइक सवार तीन युवक आए और उसकी स्कूटी के सामने बाइक लगाकर रास्ता रोक लिया। इसके बाद बदमाशों ने उसकी जेब से 4 हजार रुपए नकद और आधार कार्ड निकाल लिया। जांच के दौरान पुलिस ने घासीदास नगर, जामुल निवासी सूरज कुमार राजभर (18) और एक नाबालिग को गिरफ्तार कर लिया।

ऑनलाइन आईपीएल सट्टा रैकेट का पर्दाफाश नाबालिग समेत 7 आरोपी हुए गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

कांकेर। जिले में ऑनलाइन आईपीएल सट्टेबाजी के खिलाफ पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक संगठित गिरोह का भंडाफोड़ किया है। उजियारा अभियान के तहत सिटी कोतवाली पुलिस और साइबर सेल की संयुक्त टीम ने छापेमारी कर नाबालिग सहित 7 लोगों को गिरफ्तार किया। आरोपियों के पास से करीब 2.25 लाख रुपये कीमत के 7 मोबाइल फोन जब्त किए गए हैं।

पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि ज्ञानी चौक स्थित माखन भोग होटल के पास कुछ युवक मोबाइल फोन के जरिए आईपीएल मैचों और ऑनलाइन कैसीनो गेम पर सट्टा संचालित कर रहे हैं। सूचना मिलते ही प्रशिक्षु आईपीएस एवं थाना प्रभारी प्रतीक दादासाहब बनसोडे के नेतृत्व में टीम गठित कर मौके पर दबिश दी गई।

कार्रवाई के दौरान अमीन खान, मनीष कावडे, सलमान मेमन और रिजवान फारूकी को मौके से पकड़ा गया। पूछताछ में आरोपियों ने ऑनलाइन सट्टा खेलने और खिलाने की बात स्वीकार की। जांच आगे बढ़ने पर राहुल गिडलानी, अमन

खटवानी और एक विधि से संघर्षरत बालक का नाम भी सामने आया। पुलिस के मुताबिक ये सभी लोग ऑनलाइन सट्टे के लिए आईडी उपलब्ध कराकर अवैध कमाई कर रहे थे। पुलिस ने सभी आरोपियों के खिलाफ छत्तीसगढ़ जुआ प्रतिषेध अधिनियम 2022 की धारा 7 और 8 तथा बीएनएस की धारा 112(2) के तहत मामला दर्ज किया है। गिरफ्तार आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार आरोपी अमन खटवानी के खिलाफ पहले भी वर्ष 2021 और 2024 में आपराधिक मामले दर्ज हो चुके हैं।

ट्रक ड्राइवरों से लूट, कैंटीन कर्मचारी से रंगदारी मांगने वाले गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर जिले के तिल्दा-नेवरा क्षेत्र में स्टील कंपनी के कर्मचारियों के साथ मारपीट, कैंटीन में तोड़फोड़ और ट्रक ड्राइवरों से लूटपाट करने वाले 6 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है।

पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से लूटा गया डीजल, नगदी और घटना में इस्तेमाल कार और पल्सर बाइक जब्त की है। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार किए गए आरोपियों के नाम लकी उर्फ जयमोहन शर्मा, दिना उर्फ दिनेश माधवनी, विशाल छबलानी, नोहर सिंह रजक उर्फ बूट्टी, दीपक साहू और मोहित उर्फ मोंटी मेहानी बताए गए हैं।

तिल्दा नेवरा पुलिस के मुताबिक, 22 मई 2026 को काले रंग की कार और मोटरसाइकिल में सवार 6 आरोपी संभव स्टील एंड

ट्यूब लिमिटेड, सरोरा कंपनी परिसर में जबरन घुस गए।

आरोपियों ने लेबर कॉलोनी और कैंटीन कर्मचारियों के साथ रॉड से मारपीट की और कैंटीन काउंटर में तोड़फोड़ कर दी। इस दौरान मुख्य आरोपी जयमोहन शर्मा उर्फ लक्की शर्मा ने खुद की पहचान बताते हुए कैंटीन संचालन के एवज में हर महीने अवैध रकम और शराब पीने के लिए पैसे की मांग की। विरोध करने पर कर्मचारियों को पीटा गया।

ट्रक ड्राइवरों से की मारपीट और लूटपाट

इसी रात आरोपियों ने ग्राम सरोरा रोड स्थित निर्माणाधीन पुलिया के पास दो ट्रकों को ओवरटेक कर रोक लिया। आरोपियों ने ट्रक ड्राइवरों के साथ गाली-गलौज और मारपीट करते हुए जान से मारने की धमकी दी। बदमाशों ने ट्रकों के शीशे तोड़ दिए और 30 लीटर डीजल और ड्राइवर के पास रखे 25,500 रुपए लूटकर फरार हो गए।

घटना के बाद थाना तिल्दा-नेवरा पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। एसपी रायपुर के निर्देशन में गठित विशेष टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी लक्की शर्मा समेत 6 आरोपियों को अलग-अलग स्थानों से पकड़ लिया। पूछताछ में सभी ने अपराध कबूल कर लिया।

पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 30 लीटर डीजल, 12 हजार रुपए नकद, करीब 6 लाख रुपए कीमत की कार और 1 लाख रुपए कीमत की पल्सर मोटरसाइकिल जब्त की है। सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर कोर्ट में पेश किया गया है। डीएसपी ग्रामीण वीरेंद्र चतुर्वेदी ने बताया कि शिकायत पर आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज करके जांच शुरू की गई। लूट-रंगदारी के आरोप में 6 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। मामलें में आगे की कार्रवाई की जा रही है।

रायपुर में पुलिस को देख खारून नदी में कूदा युवक, डूबने से मौत

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी रायपुर के पुरानी बस्ती थाना क्षेत्र में खारून नदी किनारे एक दर्दनाक घटना सामने आई है, जहां पुलिस पेट्रोलिंग वाहन को देखकर एक 19 वर्षीय युवक नदी में कूद गया और उसकी डूबने से मौत हो गई।

घटना के बाद परिजनों ने पुलिस पर गंभीर लापरवाही के आरोप लगाए हैं। मृतक की पहचान रोशन नडार (19 वर्ष) के रूप में हुई है, जो रामनगर, गुढ़ियारी क्षेत्र का निवासी था।

जानकारी के अनुसार, घटना के समय रोशन अपने साथी यशवंत साहू के साथ खारून नदी किनारे मौजूद था। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, जैसे ही पुलिस पेट्रोलिंग वाहन मौके पर पहुंचा, युवक घबरा गया और अचानक नदी में कूद गया।

बताया जा रहा है कि युवक को बचाने के लिए तत्काल कोई प्रयास नहीं किया गया, जिससे उसकी हालत बिगड़ती चली गई। मृतक के साथी यशवंत साहू ने परिजनों को बताया कि घटना के बाद उसने आसपास के लोगों की मदद से रोशन को नदी से बाहर निकाला और तत्काल अस्पताल पहुंचाया, लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इस घटना के बाद परिजनों ने पुलिस पर गंभीर आरोप लगाए हैं।

उनका कहना है कि मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों ने युवक को बचाने की बजाय वीडियो बनाने में समय गंवाया और तत्काल रेस्क्यू प्रयास नहीं किए, जिससे युवक की जान चली गई। परिजनों ने यह भी आरोप लगाया है कि पुलिस की लापरवाही के कारण यह दर्दनाक हादसा हुआ है और मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है।

बड़ी चोरी का खुलासा, 24 घंटे में आरोपी गिरफ्तार, नकदी बरामद

श्रीकंचनपथ न्यूज

राजनांदगांव। घर का ताला टूटा, आलमारी का लॉकर बिखरा और 60 हजार रुपये नकदी गायब यह कोई फिल्मी सीन नहीं बल्कि डोंगरगढ़ में सामने आया वह हकीकत है, जिसने पूरे इलाके में सनसनी फैला दी, लेकिन पुलिस ने भी ताबड़तोड़ कार्रवाई करते हुए महज कुछ ही घंटों में इस चोरी की गुत्थी को सुलझाकर दो युवकों को सलाखों के पीछे पहुंचा दिया।

घटना थाना डोंगरगढ़ क्षेत्र की है, जहां प्रार्थिया कुंती बाई, उम्र 65 वर्ष, निवासी भगत सिंह चौक वार्ड क्रमांक 19 ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि वह 22 मई 2026 को अपने परिवार सहित घर में ताला लगाकर बाहर गई थीं और 23 मई की सुबह लगभग 07 बजे वापस लौटने पर देखा कि मुख्य दरवाजे का ताला टूटा हुआ है और अंदर आलमारी का लॉकर भी क्षतिग्रस्त है, जिसमें रखे 60,000 रुपये नकद अज्ञात चोर चोरी कर ले गए।

रिपोर्ट पर अपराध क्रमांक 294/2026 धारा 331(4), 305 बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एवं एसडीओपी डोंगरगढ़ के निर्देश पर प्रशिक्षु उप पुलिस अधीक्षक के मार्गदर्शन में विशेष टीम गठित की गई, जिसने तकनीकी और संदेह के आधार पर तेजी से जांच करते हुए दो आरोपियों जेद अहमद (19 वर्ष) निवासी भगत सिंह चौक वार्ड क्रमांक 18 और पिंकू फरकुंडे (19 वर्ष) निवासी राम नगर जेल रोड डोंगरगढ़ को हिरासत में लिया।

पूछताछ में दोनों ने अपराध स्वीकार किया, जिसके बाद उनकी निशानदेही पर चोरी की पूरी रकम 60,000 रुपये बरामद कर ली गई और दोनों को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया। इस पूरी कार्रवाई में प्र.आर. रूपेश देवांगन, आरक्षक किशन चंद्रा, अशोक यादव एवं लीलाधर मंडलोई की अहम भूमिका रही, जिनकी तत्परता से मामला तेजी से सुलझा।

अंततः पुलिस की इस त्वरित कार्रवाई ने एक बार फिर साबित कर दिया कि अपराध कितना भी चालाक क्यों न हो, कानून के हाथ उससे तेज होते हैं—बहरहाल, यह घटना इलाके के लिए साफ संदेश छोड़ गई है कि लापरवाही का फायदा उठाने वाले ज्यादा देर तक बच नहीं सकते।

रायपुर में रंजिश के चलते घर पर फेंका बम, आधी रात हुए हमले से इलाके में दहशत, जांच जारी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर के कबीर नगर थाना क्षेत्र में पुरानी रंजिश के चलते एक परिवार के घर पर बम फेंका गया और जान से मारने की धमकी भी दी गई। आधी रात को हुई इस घटना से इलाके में दहशत फैल गई।

वारदात के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। पीड़ित परिवार के शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक घटना में सोनू पटेल, आकाश पासवान, एक युवती समेत तीन अन्य लोग शामिल थे।

कबीर नगर निवासी पीड़िता रिंकु तिवारी ने कबीर नगर थाने में शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने पुलिस को बताया कि वह हीरापुर स्थित वीर सावरकर नगर के एलआईजी-

922 में परिवार के साथ रहती हैं।

24 मई 2026 की रात करीब 1 बजे सोनू पटेल, आकाश पासवान, एक युवती और उसके साथ तीन अन्य युवक उनके घर पहुंचे। आरोप है कि आरोपियों ने घर के बाहर बम जैसे पटाखे फेंके, जिससे तेज धमाका हुआ और मोहल्ले में अफरा-तफरी मच गई।

इसके बाद आरोपियों ने चाकू दिखाकर परिवार को जान से मारने की धमकी दी। उस समय घर का गेट बंद होने के कारण आरोपी अंदर नहीं घुस सके। पीड़िता के मुताबिक आरोपी गाली-गलौज करते हुए लगातार जान से मारने की धमकी दे रहे थे। जब परिवार के लोगों ने पुलिस को बुलाने की बात कही, तो सभी आरोपी मौके से फरार हो गए।

घटना के बाद आसपास के लोग भी घरों से बाहर निकल आए, जिससे इलाके में डर और दहशत का माहौल बन गया। कबीर नगर पुलिस ने शिकायत के आधार पर आरोपियों के खिलाफ बीएनएस की धारा 351(2) और 3(5) के तहत मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है और फरार आरोपियों की तलाश में जुटी हुई है।

ड्रग्स सप्लायर गिरफ्तार : गुढ़ियारी में खोज रहा था ग्राहक, पुलिस ने घेराबंदी कर पकड़ा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर में नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत गुढ़ियारी पुलिस ने एमडीएम ड्रग्स के साथ एक युवक को गिरफ्तार किया है। आरोपी कार में बैठकर ग्राहक तलाश रहा था।

पुलिस ने उसके कब्जे से 2.69 ग्राम एमडीएम ड्रग्स, कार और फोन जब्त किया है। जब्त सामान की कुल कीमत करीब 2.50 लाख रुपए बताई जा रही है। आरोपी का नाम शशांक तांडेकर है।

गुढ़ियारी पुलिस के अनुसार मुखबिर से सूचना मिली थी कि, कलिंग नगर स्थित सीएसईबी मैदान के पास युवक ड्रग्स बेचने के लिए ग्राहक तलाश रहा है। सूचना पर पुलिसकर्मियों ने घेराबंदी की और पकड़ा।

तलाशी के दौरान कार में बैठे युवक के पास से एमडीएम ड्रग्स बरामद हुई। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम शशांक तांडेकर निवासी गुढ़ियारी रायपुर बताया। आरोपी पर नारकोटिक एक्ट में मामला दर्ज कर पूछताछ की जा रही है। आरोपी पर आगे की

कार्रवाई पुलिस अधिकारी कर रहे है।

इससे जुड़े बाकी लोगों की भी होगी गिरफ्तारी

गुढ़ियारी निरीक्षक बीएल चंद्राकर ने बताया कि, मुखबिर की सूचना पर एसीसीयू-गुढ़ियारी पुलिस की संयुक्त टीम ने यह कार्रवाई की है। आरोपी से पूछताछ की जा रही है। सिंडिकेट से जुड़े अन्य आरोपियों को भी जल्द गिरफ्तार किया जाएगा।

32 पाव अवैध शराब के साथ आरोपी गिरफ्तार

जांजगीर-चांपा। थाना सारागांव पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 32 पाव देशी प्लेन शराब के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, पुलिस अधीक्षक विजय कुमार पाण्डेय के निर्देशन में जिलेभर में अवैध शराब बिक्री करने वालों के खिलाफ विशेष अभियान चलाया जा रहा है।

मुखबिर से सूचना मिलने के बाद थाना सारागांव पुलिस ने रेड कार्रवाई करते हुए आरोपी शिवनारायण राठौर निवासी सारागांव को पकड़ा। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से 32 पाव देशी प्लेन शराब बरामद की गई, जिसकी कीमत करीब 2 हजार 560 रुपये बताई जा रही है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आबकारी एक्ट के तहत मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है।

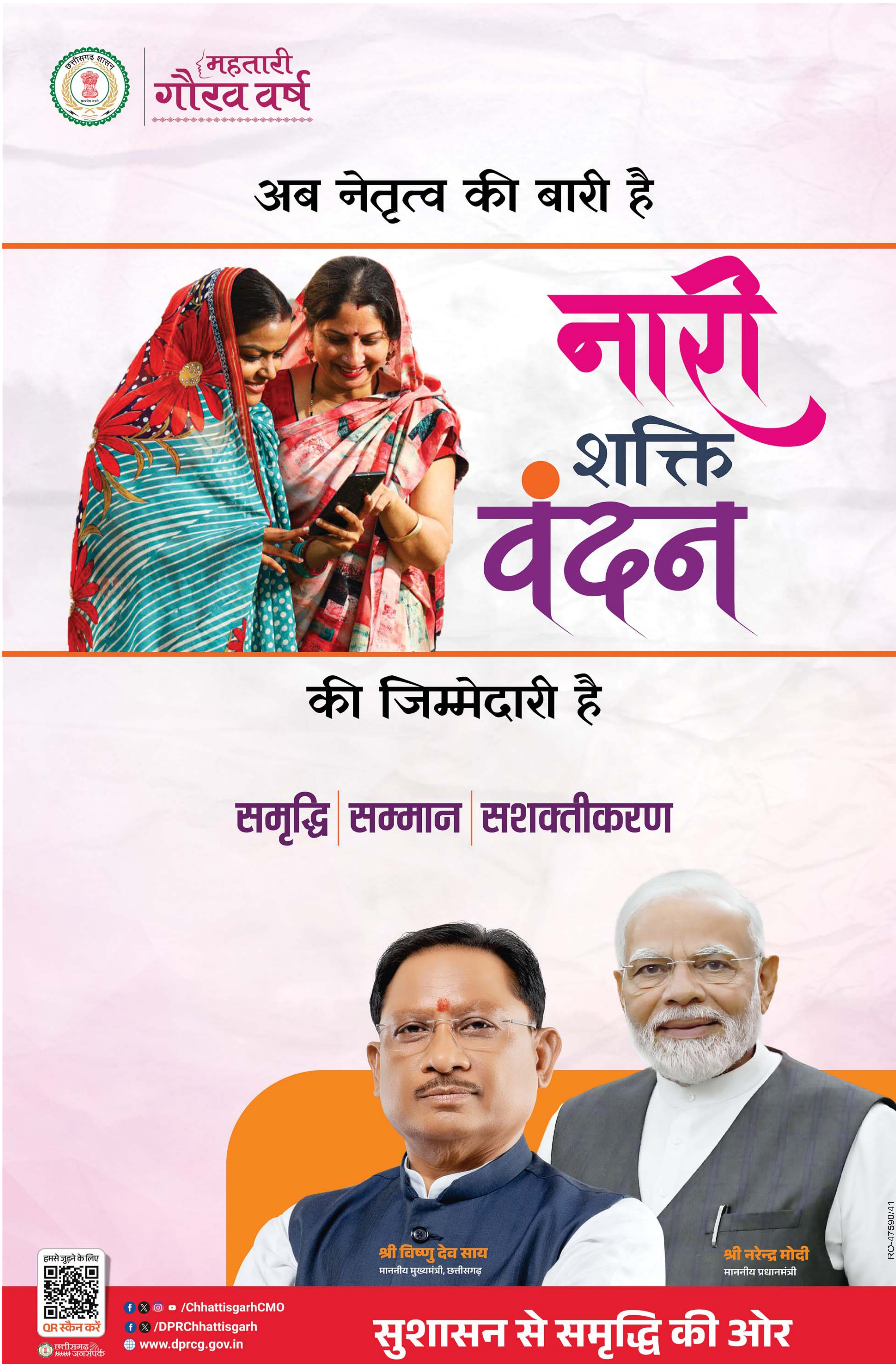

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950